राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,27 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–92 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की मिली धमकी, पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं

नई दिल्ली। दिल्ली पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली फायर सर्विस से मिली जानकारी के अनुसार, मथुरा रोड पर स्थित डीपीएस को ई-मेल द्वारा बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि इस मामले की जांच जारी है। मथुरा रोड पर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में एक ई-मेल आया। ई-मेल में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसकी सूचना मिलने पर मौके पर एंबुलेंस और पुलिस पहुंच गई है। मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि दो हफ्ते पहले भी साउथ दिल्ली के एक स्कूल में बम होने की कॉल मिली थी। हालांकि, उस मामले में दिल्ली पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं। डीपीएस के जूनियर्स विंग में ईमेल के जरिए ये जानकारी दी गई थी की स्कूल में बम है, इसके बाद स्कूल प्रशासन की तरफ से स्कूल को खाली कराया जाता है, जूनियर्स विंग में पढ़ने वाले बच्चों के पैरेंट्स को सिर्फ जानकारी दी गई की आप बच्चो को आप लोग स्कूल से ले जाएं। धमकी मिलने के बाद स्कूल परिसर की जांच की गई। जांच के बाद दिल्ली पुलिस को अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। साउथ दिल्ली के डीसीपी राजेश देव ने बताया कि स्थिति सामान्य है। पुलिस के अनुसार, परिसर में बम निष्क्रिय करने वाला दस्ता, डॉग स्क्वायड और स्वाट की टीम मौजूद है। परिसर की गहनता से जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, मथुरा रोड पर स्थित इस स्कूल को एक मेल आया था। मेल में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर फायर सर्विस और एंबुलेंस के साथ ही पुलिस भी पहुंच गई है। इस मामले की सूचना मिलने के बाद स्कूल के आसपास भीड़ इकठ्ठा हो रही थी जिसे पुलिस ने हटाया है। कुछ दिनों पहले साउथ दिल्ली के एक दूसरे स्कूल को भी इसी तरह की धमकी दी गई थी।

प्रकाश सिंह बादल का निधन, 2 दिन का राष्ट्रीय शोक, चंडीगढ़ में पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन

आज पैतृक गांव बादल में अंतिम संस्कार होगा

अमृतसर। पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल का मंगलवार रात को 95 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें सांस लेने में तकलीफ के बाद 16 अप्रैल को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 25 अप्रैल को रात 7.42 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

बादल देश की राजनीति के सबसे बुजुर्ग नेता थे। उनके निधन पर केंद्र सरकार ने दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित कर दिया है, जिसमें दो दिन पूरे देश में लगा ध्वज आधा झुका दिया जाएगा। वहीं सभी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। पंजाब में कल गुरूवार को सरकारी छुट्टी की घोषणा कर दी गई है।

चंडीगढ़ के शिरोमणि अकाली दल कार्यालय में होंगे अंतिम दर्शन

आज उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए शिरोमणि अकाली दल के चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक रखा जाएगा। दोपहर 12 बजे के बाद चंडीगढ़ से बठिंडा के लिए शव यात्रा निकाली जाएगी। वहीं कल यानी गुरुवार को उनका संस्कार पैतृक गांव बादल में दोपहर 1 बजे किया जाएगा।

यहां बठिंडा-बादल रोड पर किन्नुओं के बाग में 2 एकड़ में जगह खाली की जा रही है। गांव के श्मशान घाट में जगह कम होने के कारण उनका अंतिम संस्कार खेत में किया जाएगा। पूर्व सीएम के देहांत की सूचना के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर मोहाली स्थित अस्पताल पहुंचे। उनके अलावा भाजपा नेता सुनील जाखड़ भी देर रात फोर्टिस अस्पताल पहुंचे और अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल से मुलाकात की।

नरेंद्र मोदी भी छूते थे पैर

सियासी तौर पर उनका रसूख इस कदर था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके पैर छूते थे। उन्होंने 75 साल का सफल राजनीतिक जीवन जिया। इस दौरान वह 5 बार पंजाब के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने लगातार 11 चुनाव जीते।

पिछले साल वह अपनी सीट लंबी से चुनाव हार गए थे। उसके बाद वह सियासी तौर पर ज्यादा सक्रिय नहीं रहे। केंद्र सरकार के कृषि सुधार कानूनों का विरोध हुआ तो शिरोमणि अकाली दल ने भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद प्रकाश सिंह बादल ने अपना पद्म विभूषण तक लौटा दिया था।

प्रकाश सिंह बादल का 75 साल का राजनीतिक करियर...

20 साल की उम्र में सरपंच बनने के बाद प्रकाश सिंह बादल करीब 75 साल तक राजनीतिक जीवन में हमेशा राजनीति के केंद्र में रहे। पंजाब राज्य की राजनीति का उन्हें बाबा बोहड़ कहा गया, वहीं केंद्र में भी उनकी दहाड़ हमेशा ऊंची रही। जनसंघ व भाजपा की तरफ झुकी राजनीति के प्रमुख चेहरों में शुमार रहे। भाजपा ने भी उन्हें कभी नजरअंदाज नहीं किया।

इसके बावजूद वे केंद्र की राजनीति में वे अधिक समय नहीं ठहरे। मार्च 1977 में केंद्र में मोरारजी देसाई की जनता पार्टी की सरकार बनी तो प्रकाश सिंह बादल उसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री बनाए गए। कुछ समय बाद लोकसभा में भी चुने गए। लेकिन केंद्र की राजनीति उन्हें पसंद नहीं आई। कुछ महीनों के बाद ही केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ दिया। उसके बाद वह पंजाब की राजनीति से बाहर नहीं निकले।

पहली चुनावी जीत के बाद गांव का नाम अपने साथ जोड़ा

प्रकाश सिंह बादल पहली बार बादल गांव के सरपंच चुने गए थे। तब उनकी उम्र थी महज 20 साल थी। फिर बादल से उनके लिए अगला पड़ाव आया लंबी। सरपंच चुने जाने के कुछ समय बाद ही वे लंबी ब्लॉक समिति के प्रधान चुन लिए गए।

प्रकाश सिंह ने बादल की तरह लंबी को भी हमेशा के लिए अपने से जोड़ लिया। पहली बार 1957 से लेकर 2017 तक 10 बार पंजाब विधानसभा में उन्होंने लंबी का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन 94 साल की उम्र में आखिरी चुनाव के दौरान उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

वाराणसी में ई-बोट, क्रूज और कार्गो के बाद अब गंगा में दौड़ती दिखेगी वाटर टैक्सी

बनेंगे 4 स्टेशन, यह होगा रूट

वाराणसी। गंगा में ई-बोट, क्रूज और कार्गो के बाद जल्द ही वाटर टैक्सी दौड़ती नजर आएगी। भारतीय अन्तरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और पर्यटन विभाग अस्सी से नमो घाट के बीच टैक्सी चलवाएंगे। इस दूरी में चार स्टेशन बनेंगे जिनके लिए जलमार्ग प्राधिकरण फ्लोटिंग जेटी उपलब्ध कराएगा।

मंगलवार को इस संबंध में प्राधिकरण के चेयरमैन संजय बंद्योपाध्याय और कमिश्नर कौशलराज शर्मा के बीच सहमति बनी। गंगा में जल परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनारस आए बंद्योपाध्याय ने कमिश्नरी सभागार में अफसरों के साथ बैठक भी की। चेयरमैन ने राल्हूपुर (रामनगर) मल्टी मॉडल टर्मिनल (एमएमटी) का निरीक्षण किया। टर्मिनल के विस्तार व फ्रेट विलेज प्रोजेक्ट की प्रगति जानी। उन्होंने प्रयागराज से पटना तक गंगा में जल प्रवाह और उसकी गति के आधार पर कार्गो संचालन की संभावना पर विचार-विमर्श किया।

टर्मिनल और फ्रेट विलेज के लिए जमीन अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

कमिश्नर ने पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभागों को अधिग्रहण से पूर्व चिह्नित भूमि के निरीक्षण व सत्यापन का निर्देश दिया। इसके बाद शासन को हफ्तेभर में प्रस्ताव भेजने को कहा। उन्होंने भूमि अधिग्रहण के लिए सेवानिवृत्त लेखपाल और कानूनगो की संविदा पर नियुक्ति का भी निर्देश दिया।

महाराष्ट्र में सीएम बदलने की अटकलें, इस सप्ताह कैबिनेट मीटिंग भी नहीं होगी; गांव पहुंचे एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर उलटफेर होने के दावे किए जा रहे हैं। खासकर शिवसेना (यूबीटी) के नेता राज्य में सरकार बदलने की बातें कह रहे हैं। हालांक उनके दावों के पीछे कोई पुख्ता कारण नहीं है। संजय राउत के बाद उद्धव ठाकरे ने भी कहा कि जल्द ही एकनाथ शिंदे सीएम की कुर्सी से हटने वाले हैं। हालांकि इस बात को लेकर कई तरह की अफवाहें राजनीतिक गलियारों में हैं कि आगे मुख्यमंत्री कौन बनेगा। इसी बीच एकनाथ शिंदे कुछ दिन की छुट्टियों पर सतारा जिले में अपने पैतृक गांव चले गए हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी कोई कैबिनेट बैठक नहीं करेंगे। वह कर्नाटक चुनाव में व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा एक आधिकारीक दौरे पर उन्हें मॉरिशस भी जाना है।

उद्धव ठाकरे का क्या है दावा

जबकि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों

ही कुछ दिनों तक राजधानी में नहीं रहेंगे तो मंत्रियों ने भी अपने क्षेत्र में ही रहने का फैसला किया है। बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने अपने मुखपत्र सामना में दावा किया था कि एक तरफ शिंदे गुट अपनी कुर्सी बचाने में जुटा है तो दूसरी तरफ उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का गुट उनको मीठी-मीठी बातों में उलझाकर पीठ पीछे खेल करने की तैयारी कर रहा है। राजनीतिक जानकार इस बात को एक रणनीति बता रहे हैं। उनका कहना है कि इस तरह की बातें करके उद्धव ठाकरे भाजपा और शिंदे गुट के विश्वास पर हमला कर रहे हैं।

छुट्टी पर हैं एकनाथ शिंदे?

भाजपा विधायक और राज्य में राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा था कि महाराष्ट्र के लोग देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री के तौर पर देखते हैं। वहीं संजय राउत ने हमला करते हुए कहा, मुख्यमंत्री को छुट्टी पर भेज दिया गया है और उनकी छुट्टी बढ़ाई भी जा सकती है। उन्होंने कहा, जो मुख्यमंत्री खुद को गरीबों का मसीहा कहता है वही हेलिकॉप्टर से छुट्टियां बिताने गया है। वहीं शिवसेना के प्रवक्ता नरेश महास्के ने कहा है कि मुख्यमंत्री छुट्टी पर नहीं गए हैं बल्कि सतारा में आधिकारिक दौरे पर गए हैं। संजय राउत ने शनिवार को दावा किया था कि राज्य में एकनाथ शिंदे की सरकार का डेथ वॉरंट जारी हो गया है और अगले 15-20 दिन में यह सरकार गिर जाएगी।

केएमपी तक दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे अगले माह होगा शुरू, ये 3 एक्सप्रेसवे भी आपस में जुड़ेंगे

फरीदाबाद। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (कनेक्टर एनएच-148 एनए) का निर्माण कार्य सेक्टर-65 से केएमपी एक्सप्रेसवे तक अगले माह पूरा हो जाएगा। इसके बाद यहां सेक्टर-65 से लेकर केएमपी एक्सप्रेसवे के साथ-साथ राजस्थान के कोटा शहर आना- जाना भी आसान हो जाएगा। एनएचएआई प्रबंधन इस एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को दिन-रात पूरा करने में जुटा हुआ है। कैल गांव के मोड़ पर दिल्ली-आगरा हाईवे के ऊपर से गुजर रहे कैल गांव फ्लाईओवर के दोनों हिस्सों को आपस में जोड़ दिया गया है। मंगलवार को यहां पर मजदूर निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। फ्लाईओवर के ऊपर तेजी से काम चल रहा था। इससे आगे फ्लाईओवर के उतार-चढ़ाव का निर्माण कार्य चल रहा था। यहां अर्थमूवर मशीन, रोडरोलर चलते हुए दिखाई दे रहे थे। इससे आगे मलेरना रेलवे ओवरब्रिज के बराबर में एक्सप्रेसवे की सर्विस सड़क के लिए रेलवे पुल के दोनों ओर पुल बनाने का काम चल रहा था। यहां रेलवे लाइन के ऊपर काफी हद तक छत डालने का काम पूरा हो चुका है। इसके दोनों ओर मिट्टी डाली जा रही थी। पुल तक सर्विस सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सर्विस सड़क पर यहां ग्रिल भी लगाई जा चुकी है। जिस तेजी से यहां निर्माण कार्य चल रहा था। उससे लग रहा है कि अगले माह तक रेलवे पुल का निर्माण कार्य भी पूरा हो जाएगा। 14 मई तक सेक्टर-65 से केएमपी एक्सप्रेसवे तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को पूरा करने की मियाद तय की हुई है। इस एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, अगले माह से सेक्टर-65 से लेकर पलवल के मंडकौला और नूंह के खलीलपुर गांव में बनाए जा इंटरचेंज तक एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। खलीलपुर, मंडकौला गांव में बनने वाले इंटरचेंज से केएमपी एक्सप्रेसवे, सोहना के अलीपुर से आ रहे।

इन किसानों को इस बार मिलेंगे 4000 रुपये, जानें आपके खाते में आएगी कितनी रकम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जिसे पीएम किसान योजना के नाम से भी जाना जाता है, की 14वीं किस्त जल्द ही जारी होने वाली है। केंद्र सरकार ने इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली है। इस योजना के तहत किसानों को साल में तीन बार 2000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, इसबार कुछ किसानों के खाते में 4000 रुपये भी ट्रांसफर किए जाएंगे। आपको बता दें कि केंद्र की भाजपा नीत मौजूदा सरकार ने किसानों की सहायता के लिए इस योजना को लॉन्च किया था। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा अब तक पीएम किसान योजना की 13 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। 14वीं किस्त में यूं तो अधिकांश किसानों को पहले से तय 2000 रुपये ही

मिलेंगे, लेकिन कुछ किसानों के खाते में 4000 रुपये भी जमा कराए जाएंगे। आपको बता दें कि ये ऐसे किसान होंगे जिन्हें 13वीं किस्त की राशि नहीं मिली थी। बैंक केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण उन्हें यह लाभ नहीं मिला था। अब जिन किसानों ने बैंक की इस प्रक्रिया को पूरी करवा ली है, उन्हें 13वीं और 14वीं किस्त साथ-साथ मिल जाएगी। जिन किसानों को इस योजना का लाभ मिलेगा, वे अपपना नाम पीएम किसान योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं। इसी वेबसाइट के जरिए किसी अपनी योग्यता भी देख सकते हैं।

अतीक अहमद के कार्यालय में शाइस्ता ने की है सुसाइड की कोशिश? क्यों हो रही चर्चा

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2019 में पीएम किसान सम्मान योजना की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य देश भर के सभी किसान परिवारों को खेती योग्य भूमि के साथ आय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत 6000 रुपये प्रति वर्ष की राशि 2000 रुपये की तीन मासिक किस्तों में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जारी की जाती है।

आम आदमी की लाइफ और भी आसान बना देंगी दिल्ली सरकार की ये 5 वेबसाइट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के वेबपोर्टल के साथ 50 विभागों की 180 वेबसाइट को लॉन्च कर दिल्लीवालों को बड़ी राहत दी है। पुरानी वेबसाइट मोबाइल और टैब फ्रेंडली नहीं थी। नई वेबसाइट में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। प्रति सेकेंड लाखों का ट्रैफिक आने पर भी वेबसाइट क्रैश नहीं होगी। कुछ प्रमुख वेबसाइट इस प्रकार हैं।

परिवहन विभाग- होम पेज पर नया विकल्प

दिल्ली परिवहन विभाग की वेबसाइट में ड्राइविंग लाइसेंस वाहन पंजीकरण की सुविधा के लिए आवेदकों को लिंक ढूढ़ने में खासी परेशानी होती थी, लेकिन अब होम पेज पर ही नोटिस नाम के विकल्प पर क्लिक करते ही आपको लिंक मिल जाएगा। परिवहन की वेबसाइट www.transport.delhi.gov.in है।

राजस्व विभाग - विकल्पों पर जाने की जरूरत नहीं

विभिन्न तरह के प्रमाण पत्र, संपत्ति पंजीकरण संबंधित विभाग राजस्व विभाग की वेबसाइट पर रोजाना हजारों लोग आते हैं। पुरानी वेबसाइट पर एक जानकारी के लिए कई पेज पर जाना पड़ता था। अब नई वेबसाइट में क्लिक करते ही विभाग की विकल्प दिख जाएंगे। वेबसाइट www.revenue.delhi.gov.in है।

पर्यटन विभाग- एक क्लिक पर आवेदन हो जाएगा

दिल्ली पर्यटन विभाग की नई वेबसाइट में फिल्म शूटिंग से लेकर दिल्ली के पर्यटन स्थलों की जानकारी एक क्लिक पर मिलेगी। आपको दिल्ली में फिल्मों की शूटिंग करनी है तो www.delhitourism.gov.in पर जाना होगा। वहां दिल्ली फिल्म पॉलिसी का विकल्प मिलेगा। उसपर क्लिक करते ही पेज पर पहुंच जाएंगे।

दिल्ली सरकार के ई-डिस्ट्रिक पोर्टल का भी रूप बदल गया है। अब www.edistrict.delhigovt.nic.in पोर्टल पर जाने के बाद आपको सबसे पहले 1076 विकल्प का नंबर दिख जाएगा, जिस पर सीधे फोन करके जानकारी ले सकते हैं। इसके अलावा आवेदन, आवेदन के स्टेट्स और वेरीफाई प्रमाणपत्र का लिंक दिया गया है।

जल बोर्ड आसानी से मिल जाएगी सभी सूचनाएं

दिल्ली जलबोर्ड की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। ग्राफिक्स के जरिये कुल जल बोर्ड की कुल 8 सेवाओं का विकल्प होम पेज पर ही मिलगा। इसमें शिकायत, आवेदन, बोरबेल के लिए आवेदन, अंतिम बिल, अपडेट मोबाइल नंबर समेत अन्य विकल्प हैं। किसी भी विकल्प पर क्लिक करके उससे संबंधित जानकारी आसानी से हासिल कर पाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विपक्षी एका का कोरस

सोमवार को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी और फिर लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद ममता व अखिलेश ने जो कुछ कहा, उसके गहरे निहितार्थ हैं। ममता ने जहां विपक्षी महागठबंधन की राह में किसी प्रकार से अहं के टकराव की आशंका को नकारा, तो वहीं सपा प्रमुख ने भी देशहित की दुहाई देते हुए विपक्षी एकता को जरूरी बताया। उधर तेलंगाना की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी कांग्रेस की सदारत में किसी राष्ट्रीय गठजोड़ में शामिल होने को लेकर अपने रुख में नरमी के संकेत दिए हैं। हालांकि, अब तक वह एक गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेसी तीसरे मोर्चे की वकालत करती रही है। बहरहाल, क्षेत्रीय दलों के इन बदले सुरों से इतना तो स्पष्ट लगता है कि किसी असरदायक तीसरे मोर्चे की संभावना क्षीण पड़ती जा रही है और यदि ऐसा हुआ, तो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और राजग के लिए यह बहुत सुखद स्थिति नहीं होगी। जाहिर है, राजग नेतृत्व इसकी काट भी तैयार कर रहा होगा। अगले आम चुनाव में अब एक साल का वक्त भी नहीं बचा है और ऐसे में स्वाभाविक ही राजनीतिक गोलबंदी तेज होती जाएगी। खासकर 13 मई को कर्नाटक विधानसभा के चुनाव-परिणाम आने के बाद राजनीतिक पार्टियों का रुख अधिक स्पष्टता से सामने आएगा। लेकिन जिस गंभीरता से नीतीश कुमार विकल्प गढ़ने के अभ्यास में जुटे हैं, उन्हें कई कठिन सवालों से जवाब भी तैयार रखने होंगे। अभी तो वह नेतृत्व के सवाल को यह कहकर टाल रहे हैं कि वह इस रेस में नहीं हैं, मगर राजनीति में उलटबांसियों का भी अपना महत्व होता है। वह इस तर्क की आड़ ले सकते हैं कि साल 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मुकाबले यूपीए ने कोई चेहरा सामने नहीं किया था और अनेक दलों को समेटते हुए मनमोहन सिंह सरकार ने दस वर्षों तक देश का नेतृत्व किया। मगर इस तथ्य की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि डॉ सिंह लोकसभा में सबसे बड़े दल के नेता चुने गए थे और उनके पीछे उनकी पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी रही थी। फिर पिछले एक दशक में व्यक्ति केंद्रित राजनीति की जड़ें जिस तरह से जमती गई हैं, क्या उसमें नेतृत्व के प्रश्न पर मतदाताओं को ऊहापोह में रखकर वांछित परिणाम पाया जा सकता है? विपक्षी पार्टियों को इसका माकूल जवाब ढूंढ़ना ही होगा। निस्संदेह, विपक्षी दलों के पास मुद्दों की कमी नहीं। महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय जैसे कई मुद्दे हैं, जो सीधे जन-सरोकार से जुड़े हैं और मतदाताओं के एक बड़े समूह में अपील भी रखते हैं, पर लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलने और किसानों के खाते में नगदी हस्तांतरण का श्रेय लेने से प्रधानमंत्री मोदी को वे कैसे रोक पाएंगे? विपक्षी दलों के लिए इसका तोड़ ढूंढ़ना आसान नहीं होगा। ऐसे में, उनकी कोई एकता तभी मतदाताओं के लिए आश्वस्तकारी होगी, जब वे ठोस साझा कार्यक्रम और बेदाग-विश्वसनीय चेहरे के साथ उनके बीच जाएंगे। इससे कौन इनकार करेगा कि लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए विपक्ष का मजबूत होना बहुत जरूरी होता है, लेकिन लाख टके का सवाल यही है कि क्या देश की विपक्षी पार्टियां विकल्प गढ़ने को लेकर प्रतिबद्ध हैं या वे महज तात्कालिक मजबूरी में एक-दूसरे का हाथ थामने की उत्सुकता दिखा रही हैं?

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

घरेलू हिंसा नियंत्रण में कानूनी विसंगति

क्षमा शर्मा

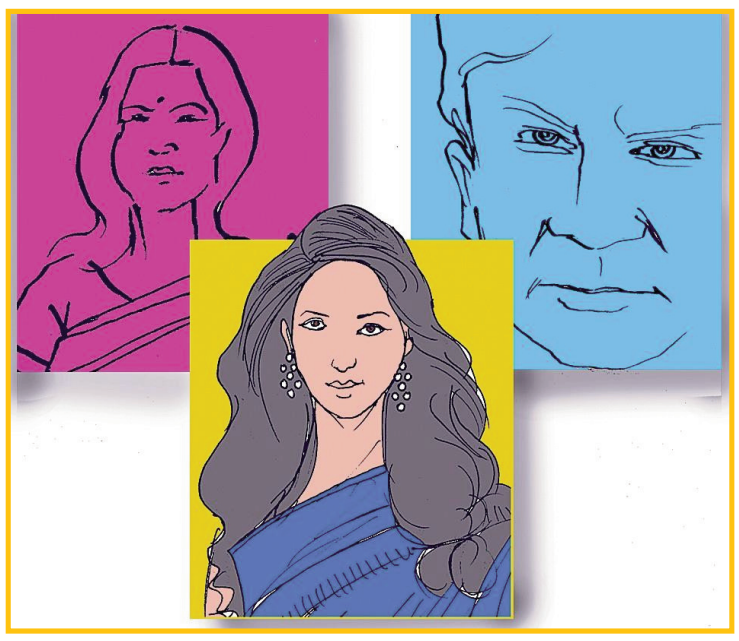

पिछले साल की बात है। किसी ने फेसबुक पर एक वीडियो साझा किया था... चलती सड़क, साइकिल, कारों, बसों की दौड़-भाग। आते-जाते लोग। अचानक घर से एक पतली-दुबली औरत निकलती है। उसने साड़ी पहन रखी है और सिर ढका हुआ है। उसके हाथ में एक पेड़ से तोड़ी हुई छड़ी है। तभी कैमरा एक बेहद बूढ़ी, कृशकाय, शरीर पर नाममात्र को सफेद धोती पहने एक दूसरी औरत पर फोकस करता है। छड़ी हाथ में पकड़े हुए औरत इस बूढ़ी स्त्री की तरफ बढ़ती है और हाथ पकड़कर इसे खींचने लगती है। जब यह स्त्री इधर-उधर होती है, तो वह इसे लगभग जमीन पर दे मारती है। फिर हाथ की छड़ी से इसे मारती ही जाती है। उसके बाद फिर से उसे घसीटती है और फिर जमीन पर पटकती है। फिर मारती है। बार-बार ऐसा होता ही जाता है। वह बूढ़ी औरत जोर-जोर से चिल्ला रही है। सड़क पर आने-जाने वाले उसे पिटते देख रहे हैं। अड़ोसी-पड़ोसी भी उसकी चीख-पुकार को सुन रहे होंगे, लेकिन कोई उसे बचाने नहीं आया। जिस तरह से उसे बार-बार जमीन पर पटका गया, छड़ी से तड़ातड़ पीटा गया इससे उसे कितनी चोट लगी होगी, इसे वीडियो देखकर महसूस किया जा सकता है। मगर महिला आयोग, या मानवाधिकार आयोग की नजरों से शायद यह वीडियो नहीं गुजरा। नहीं पता कि कहां का था। देश के किस हिस्से में बनाया गया था, लेकिन इतना भयावह था कि रौंगटे खड़े हो जाते थे। एक युवा स्त्री एक बूढ़ी स्त्री को निर्ममता से पीट रही थी, लेकिन कानून शायद ही इस बूढ़ी स्त्री को बचाने आएगा। जेंडर से संबंधित कानूनों में सारे अपराध अक्सर युवा महिलाओं के प्रति होते ही मान लिए गए हैं। इसीलिए वहां बूढ़ों को न्याय देने की भी किसी को नहीं पड़ी। वैसे भी विदेशों में और अपने यहां भी कई नेता कहते ही रहते हैं कि बूढ़े अर्थव्यवस्था पर बोझ होते हैं, तब भला उनकी परवाह कोई क्यों करे। आपको दिल्ली की वह घटना भी याद होगी जहां अपनी बेटियां ही मां को मारती-पीटती थीं, भूखा रखती थीं। एक पड़ोसी ने इसका वीडियो बना लिया था। दिल्ली महिला आयोग ने इस स्त्री को बचाया था। पिछले दिनों हरियाणा की एक महिला के बारे में खबर छपी थी। जहां उसने अपने पोते को सड़क पर घूमते देख बहू को समझाने की कोशिश की कि वह बच्चे को इस तरह सड़क पर अकेले न जाने दिया करे। इससे बहू भड़क उठी और उसने सास को इतना पीटा कि उसके कान का पर्दा फट गया और कई जगह की हड्डियां भी टूट गईं। घरों में वृद्ध स्त्री-पुरुषों के प्रति ऐसी घटनाएं इन दिनों आम हो चली हैं। लेकिन प्रकाश में बहुत कम आ पाती हैं क्योंकि कई बार लोग परिवार की प्रतिष्ठा की चिंता करके, पिटाई और तरह-तरह की हिंसा सहते रहते हैं, मगर मुंह नहीं खोलते। अगर बेटे या परिवार के अन्य सदस्य बचाने भी आएं तो भी बच नहीं पाते। इस तरह की घरेलू हिंसा झेलने को वे अभिशप्त हैं। वैसे तो अक्सर लोग किसी के घर के मामले में बीच में बोलने से इसलिए भी बचते हैं कि क्या पता उन पर ही कोई ऐसा आरोप लगा दिया जाए जिससे कि उनका बचना मुश्किल हो जाए। या कि किसी को बचाने जाएं और पुलिस कोर्ट-कचहरी के चक्कर में फंस जाएं। अपने यहां यदि इस तरह की हिंसा औरत ही औरत के ऊपर कर रही है तो उससे बचने का क्या उपाय है। कैसे कानून ऐसी असहाय स्त्रियों की मदद करेगा। कई बार तो ऐसा होता है कि घर की बहू पूरे परिवार के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करा देती है। और पूरा परिवार कानून के शिकंजे में आ जाता है। लैंगिक कानूनों की हालत भी यह है कि एक बार किसी का नाम लगा भर दो, कि वह अपराधी साबित कर दिया जाता है। हाल ही में एक मामला कोर्ट में ऐसा ही आया था। इसमें एक महिला ने अपने सास, ससुर, देवर, देवरानी और ननद पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। लेकिन कोर्ट में यह पूरा मामला ही गलत साबित हुआ। पता चला कि शिकायत दर्ज कराने वाली महिला जिस मकान में अपने पति के साथ रहती है, वह मकान उसके सास-ससुर का है, लेकिन वे किराए के घर में रहते हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले को देखने से पता चलता है कि महिला घरेलू हिंसा से पीड़ित नहीं है। बल्कि जायदाद पर अधिकार करने के लिए वह इस कानून का सहारा ले रही है। जब सास-ससुर साथ रहते ही नहीं तो वे महिला को सता कैसे सकते हैं। जबकि इन बुजुर्गों को अपना ही घर छोड़कर किराए पर रहना पड़ रहा है। इसी मामले में 2016 में वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण व कल्याण अधिकरण ने महिला और उसके पति को मकान खाली करने का निर्देश दिया था। इसके अलावा सम्बंधित क्षेत्र के थानेदार को भी इन बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक सिपाही की तैनाती की व्यवस्था करने को कहा गया था। तब शिकायत करने वाली महिला के पति ने अपने माता-पिता से माफी मांगी थी और समझौता कर लिया था। लेकिन जल्दी ही माता-पिता को फिर तंग किया जाने लगा। तब पूर्वी दिल्ली के डीएम ने चौबीस घंटे में मकान खाली करने के निर्देश दिए थे। लेकिन महिला द्वारा मकान खाली करना तो दूर, उलटे सास-ससुर तथा देवर, देवरानी पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करा दिया । इसी कारण अदालत को यह कठोर टिप्पणी भी करनी पड़ी कि घरेलू हिंसा कानून का गलत इस्तेमाल हो रहा है। देखने की बात यह भी है कि यह मामला दिल्ली का था इसलिए त्वरित न्याय भी हुआ और प्रकाश में भी आया। जबकि पूरे देश में ऐसी बेशुमार घटनाएं होती होंगी, जिनकी चर्चा भी नहीं होती। यदि आने वाली खबरों को देखें तो पता चलता है कि आजकल महिला कानून जिनमें दहेज निरोधी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली धारा 498 ए, घरेलू हिंसा और यौन प्रताड़ना, इनका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है। जिन लोगों के खिलाफ इन कानूनों को आधार बनाकर शिकायतें की जाती हैं उनमें से अनेक शिकायतें झूठी पाई जाती हैं। लेकिन झूठी शिकायतें करने वाली स्त्रियों पर शायद ही कोई कठोर कार्रवाई होती है। इसीलिए ऐसे मामलों की बाढ़ आई रहती है। यदि झूठी शिकायतें करने वाली औरतों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तो दूसरों का हौसला न बढ़े कि जब चाहो तब इन कानूनों का दुरुपयोग होने लगे। जो कानून सताई गई महिलाओं को न्याय देने के लिए बने हैं वे दूसरों को सताने लगें और जो इन कानूनों का दुरुपयोग कर रहे हैं उनका कुछ न बिगड़े। कायदे से तो ऐसी स्त्रियों-पुरुषों को कठोर दंड मिलना चाहिए जिससे कि दूसरों को भी सबक मिले। यदि कानून का दुरुपयोग होने लगे तो फिर उसे बने रहने का भी क्या औचित्य है। क्योंकि कानून का काम न्याय देने का होता है न कि अन्याय करना।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वैवाहिक संबंध तय होना,गंभीर चुनौती

(लेखक- विजय कुमार जैन)

वर्तमान में युवक-युवतियों के वैवाहिक संबंध तय करने समाज इतना भ्रमित हो गया है कि रिश्ते तय नहीं हो पा रहे हैं। आज समाज की 27 से 35 वर्ष तक की लड़कियाँ अविवाहित बैठी हैं। इन लड़कियों एवं उनके अभिभावकों के सपने स्वयं की हैसियत से कहीं अधिक है। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिनके कारण समाज की छवि खराब हो रही है। भारतीय संस्कृति में मनुष्य के जीवन में सोलह संस्कार आते है। जिनमें एक पाणिग्रहण संस्कार माना गया है। पाणिग्रहण संस्कार के बाद सबसे बड़ा मानवीय सुख वैवाहिक जीवन होता है। वर्तमान भौतिक युग में यह मानकर चल रहे हैं पैसा आवश्यक है। मगर हमारा सोच यह होना चाहिए कि पैसा निश्चित सीमा तक आवश्यक है। पैसा मिलने की आकांक्षा में अच्छे एवं योग्य रिश्ते ठुकराना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। पहली प्राथमिकता सुखी संसार व अच्छा घर परिवार होना चाहिए। ज्यादा धन या दहेज के चक्कर में योग्य रिश्तों को नजर अंदाज करना उचित नहीं है। सम्पत्ति खरीदी जा सकती है, लेकिन गुण नहीं। मेरा व्यक्तिगत मत है। घर-परिवार और लड़का-लड़की अच्छे देखें,लेकिन ज्यादा धन के चक्कर में अच्छे रिश्ते हाथ से न जाने दें। युवक-युवती के सुखी वैवाहिक जीवन के लिये आवश्यक है हम उनका विवाह 25 वर्ष तक की उम्र में कर दें। 30 वर्ष की उम्र या उससे ज्यादा उम्र में हम विवाह करते हैं तो वह विवाह न होकर मात्र समझौता ही होता है। हम चिकित्सीय पक्ष देखें तो जिनका विवाह ज्यादा उम्र में होता है उसमें स्वास्थ्य संबंधी वहुत सी समस्याएं पैदा होती है। आजकल समाज में लोग बेटी के रिश्ते के लिए ऐसा लड़का देखते हैं जो सोने की तरह सौ टंच हो। अच्छा रिश्ता देखने में चार या पाँच वर्ष निकल जाते हैं। उच्च शिक्षा या जाव के नाम पर ही समय व्यतीत कर देते हैं। लड़के देखने का अंदाज भी समय व्यतीत करने का अनोखा उदाहरण हो गया है। खुद का मकान है या नहीं? अगर है तो फर्नीचर कैसा है? घर में कमरे कितने है? गाड़ी है या नहीं? है तो कौंनसी है? ब्रान्डेड है या सेकण्ड हैण्ड? रहन-सहन,खान-पान कैसा है? कितने भाई-बहन है? बटवारे में माँ -बाप किनके हिस्से में आये हैं। बहन कितनी हैं उनकी शादी हुई या नहीं? माता-पिता का स्वभाव कैसा है? घर बाले, नाते-रिश्तेदार आधुनिक विचारों के हैं या नहीं? बच्चे का कद कितना है? रंग-रूप कैसा है? शिक्षा, कमाई, बैंक बैलेंस कितना है? लड़का-लड़की सोशल मीडिया पर सक्रिय है या नहीं? उसके कितने दोस्त है? इतनी सारी जानकारी लेने के बाद भी कुछ और प्रश्न पूछने में और सोशल मीडिया पर वार्तालाप करने में वहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है। लगभग सभी समाजों में यह हालात हैं कि माँ-बाप की नींद ही जब खुलती है तब लड़के या लड़की की उम्र 30 वर्ष हो जाती है। फिर अभिभावक उचित रिश्ता तलाश करने के नाम पर इनकी जबानी बर्वाद कर देते हैं। इस कारण से अच्छे रिश्ते हाथ से निकल जाते हैं, और माँ-बाप अपने ही बच्चों के सपने चूर-चूर कर देते हैं। मेरे अभिन्न मित्र को एक अविवाहित युवक का वैवाहिक वायोडाटा मिला, उस अविवाहित युवक की उम्र 36 वर्ष थी। मित्र ने युवक का वायोडाटा एवं उम्र 36 वर्ष देखकर फोन से अभिभावक से यह जानना चाहा कि आपके बेटे की पहली शादी कब हुई थी। उनका कथन सुनकर अभिभावक ने फोन ही काट दिया। युवक युवती के माता पिता जिनके बच्चों की उम्र 30 या 32 वर्ष हो जाती है उनके माता रिश्ते बालों से कह देते हैं अभी हमने विवाह करने का मन ही नहीं बनाया है।एक समय था जब मात्र खानदान देखकर रिश्ते तय किये जाते थे। वे रिश्ते लम्बे समय तक सौहार्द पूर्ण वातावरण में निभते थे। तलाक, विवाह विच्छेद के प्रकरण उदाहरण नाम मात्र के ही सुनने मिलते थे। समधी-समधिन से रिश्ते आत्मीयता से परिपूर्ण रहते थे। सुख-दुख में एक दूसरे के साथ खड़े रहते थे। रिश्ते नातों की अहमियत का एक अहसास था। पुराने जमाने में चाहे धन कम था मगर खुशियाँ घर-आँगन में झलकती थी। कहीं कोई ऊंची-नीची बात हो जाती थी तो आपस में बड़े-बुजुर्ग संभाल लेते थे। तलाक शब्द रिश्तों में था ही नहीं, दाम्पत्य जीवन खट्टे-मीठे अनुभव में बीत जाया करता था और दोनों एक-दूसरे के बुढ़ापे की लाठी बनते थे । और पोते- पोतियों में संस्कारों के बीज रोपते थे। अब कहाँ हैं वह संस्कार ? आज तो संस्कार शब्द का मजाक उड़ाया जा रहा है। आँख की शर्म तो इतिहास हो गई है। अन्तर्जातीय विवाह का प्रचलन चल पड़ा है।आज समाज में लड़कियाँ और लड़के खुले आम दूसरी जाति की ओर जा रहे हैं। मन पसंद विवाह करने जाति का बंधन समाप्त कर रहे हैं। अन्तर्जातीय विवाह करने से पूर्व यह आरोप लगा रहे हैं कि जाति का लड़का या लड़की मेरे योग्य नहीं है। जब ये लड़के-लड़कियाँ मन पसंद विवाह या प्रेम विवाह करते हैं तब कुण्डली मिलान का क्या होता है? तब तो कुण्डली मिलान की कोई बात ही नहीं होती। माता-पिता उस समय सब कुछ स्वीकार कर लेते हैं। तब कुण्डली, स्टेटस, आमदनी, पैसा बीच में कुछ भी नहीं आता। अगर अभी भी माँ-बाप नहीं जागेंगे तो स्थिति और विस्फोटक हो जायेगी। माता-पिता और समाज को समझना होगा। लड़कियों का विवाह अधिकतम 25 वर्ष की उम्र में हो जाये इसीप्रकार लड़के का विवाह अधिकतम 26 या 27 वर्ष की उम्र में हो जाये। सब में सभी गुण एक साथ नहीं मिलते। युवक-युवती के माता-पिता भी आर्थिक चकाचौंध में वह रहे हैं। पैसे की भागमभाग में मीलों पीछे छूट गये हैं नाते-रिस्तेदार। टूट रहे हैं घर परिवार सूख रहा है प्रेम और प्यार। परिवारों का इस पीढ़ी ने ऐसा तमाशा किया है कि आने वाली पीढियाँ सिर्फ किताबों में पढ़ेंगी.... संस्कार। समाज को अब जागने की जरूरत है, अन्यथा रिश्ते ढूढ़ते रह जाओगे।

नोट:- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

बीमाधारकों के अधिकारों की हरसंभव सुरक्षा जरूरी

एक बीमा अधिकारी ने दिल की बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती होने के एक दावे को मनमाने ढंग से खारिज कर दिया। जब बीमा का दावा आया, तो उस अधिकारी ने अपनी पहल पर रोगी के पिछले मेडिकल रिकॉर्ड निकलवा लिए। पिछले रिकॉर्ड में रोगी द्वारा धूम्रपान के इतिहास का जिक्र मिल गया, इसलिए उसने निष्कर्ष निकाल लिया कि धूम्रपान की वजह से हृदय संबंधी समस्या हुई। चिकित्सा बीमा पॉलिसियों में शराब, नशीली दवाओं, मादक द्रव्यों के सेवन या किसी भी नशे की स्थिति और उसके परिणामों के लिए उपचार की सुविधा शामिल नहीं है। बीमा के दावे को नामंजूर कर दिया जाता है। हालांकि, बीमा के ऐसे दावों को खारिज करने का कोई चिकित्सकीय आधार नहीं है। इसके बावजूद दावों का खारिज होना सामान्य बात है। कुछ समय पहले लिवर सिरोसिस के इलाज के खर्च के लिए किए गए एक दावे को खारिज कर दिया गया, क्योंकि मरीज कभी-कभी शराब का सेवन करता था। यह सामान्य ज्ञान है कि अत्यधिक शराब लीवर को नुकसान पहुंचा सकती है, पर शराब न पीने वालों को भी लीवर संबंधी शिकायतें हो सकती हैं। खैर, अच्छी बात है कि इन दोनों ही मामलों ने जब तूल पकड़ा, तब बीमा कंपनियां अपने शुरुआती फैसले को पलटने के लिए मजबूर हो गईं। सही फैसला पहले भी हो सकता था, मरीजों को इतनी पीड़ा का सामना नहीं करना पड़ता।

ऐसा आए दिन न जाने कितने लोगों के साथ होता होगा। सोचकर देखिए, हृदय संबंधी उपचार एक बड़े अस्पताल में किया गया, वह स्वास्थ्य बीमा के नेटवर्क में शामिल था, अत- रोगी बिना धन भुगतान के बीमा का लाभ ले सकता था। दुखद यह कि डॉक्टर द्वारा मरीज को छुट्टी दिए जाने के कई घंटे बाद दावे को खारिज करने का फैसला आया, लेकिन बिल का भुगतान होने तक मरीज को अस्पताल में रोके रखा गया था। रोगी या उसके परिजन अचानक नकद भुगतान में असमर्थ थे। काफी कोशिशों के बाद बीमा पर आखिरी मंजूरी अगले दिन ही आई। अंत भला रहा, पर बीमा संबंधी जो अनुभव रोगी और उसके परिवार को हुआ, क्या उसे नजरअंदाज किया जा सकता है? ऐसी घटनाओं के आधार पर किसी भी बीमाधारक के लिए बीमाकर्ताओं पर अविश्वास स्वाभाविक है। ऐसी पीड़ा की क्या भरपाई है? बीमाधारक अपनी ऐसी शिकायतों के लिए कहां जा सकते हैं? इसमें बीमाधारकों की सेवा करने या शिकायत सीधे सुनने वाले बीमाकर्ता अधिकारी का ही दोष नहीं है, बल्कि यह बीमा के मोर्चे पर नीतिगत कमी है। अनेक ग्राहकों के दावे को केवल इसलिए खारिज कर दिया जाता है, क्योंकि वे गैर-नेटवर्क वाले अस्पतालों में इलाज कराते हैं। वैसे बीमाकर्ता कंपनियां भी अनेक सुविधाओं को छिपाए रखती हैं। सभी गैर-नेटवर्क दावों का भुगतान करने की स्थापित प्रथा है, कंपनियां इस आधार पर बीमा का लाभ देने से बच नहीं सकतीं। ऐसे दावे को खारिज करने का फैसला बीमा विनियामक या कानूनी जांच के सामने टिक नहीं सकता, पर ज्यादातर बीमाधारक अपने वाजिब हक के लिए लड़ नहीं पाते हैं। ऐसे मामलों में बीमाधारकों के पास बहुत सीमित उपाय हैं। लोकपाल के पास मामला दायर करने का प्रशासनिक बोझ बहुत अधिक होता है और यह अक्सर दावा राशि से भी अधिक होता है। लोकपाल के फैसलों में समय भी लग सकता है, कुछ मामलों में तो एक वर्ष से भी अधिक। अधिकांश लोग छोटे दावों के खारिज होने पर चुप रह जाते हैं, जबकि बड़े दावों के लिए लड़ना मजबूरी है। बीमा संबंधी नियमों की ठोस व्यवस्था है, ताकि लोगों को वाजिब लाभ मिल सके, पर बीमाकर्ता उदार व्याख्याओं का सहारा लेकर भुगतान से बचने के रास्ते खोजते रहते हैं। चिकित्सा विज्ञान ने बहुत तरक्की की है। कई सारे ऐसे उपचार हैं, जिनके लिए अस्पताल में भर्ती होना जरूरी नहीं। सिर्फ इसी आधार पर दावे को खारिज करना अनुचित है। दावों और बीमा लाभ को शब्दों के जाल में नहीं फंसने देना चाहिए। एक-एक बीमाधारक के हितों को संरक्षित करने की जरूरत है। बीमाधारक के हित को सबसे ऊपर रखने वाले बीमा अधिकारियों के लिए प्रोत्साहन की भी कमी है। उन्हें यथोचित सेवा के लिए प्रशिक्षित करना भी जरूरी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने कमाया 425 करोड़ का रिकॉर्ड लाभ

नयी दिल्ली । एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 23 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ 425 करोड़ रुपये का तिमाही मुनाफा कमाया जो उसका सर्वाधिक तिमाही लाभ है। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की समान तिमाही में उसे 346 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि 2022-23 के समूचे वित्त वर्ष में उसका कुल लाभ सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 1,428 करोड़ रुपये रहा। बैंक की मार्च, 2023 में सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 1.66 प्रतिशत रहीं जबकि मार्च, 2022 में यह 1.98 प्रतिशत पर थीं।

डीईआरसी ने विशेष ऑडिट की स्थिति स्पष्ट करने सरकार से मांगा जवाब

नयी दिल्ली । डीईआरसी ने` बिजली से ब्सिडी के विशेष ऑडिट की स्थिति स्पष्ट करने सरकार से जवाब मांगा है। दिल्ली में वर्ष 2016 से 2022 के दौरान दी गई बिजली सब्सिडी के विशेष ऑडिट की शर्तों एवं कानूनी स्थिति के बारे में दिल्ली बिजली नियामक आयोग (डीईआरसी) जल्द ही सरकार से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बिजली सब्सिडी का विशेष ऑडिट करने के लिए उसे दिल्ली सरकार से एक सूचना प्राप्त हुई है लेकिन इस कवायद के मकसद के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। सूत्र के मुताबिक विशेष ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने के लिए इसके उद्देश्यों का पूर्व-निर्धारित होना जरूरी है। सूत्र ने कहा है` कि इसके अलावा बिजली वितरण कंपनियों के ऑडिट से संबंधित कुछ मामला भी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में यह देखना भी जरूरी है कि बिजली कंपनियों का विशेष ऑडिट न्यायालय के किसी निर्देश का उल्लंघन तो नहीं करता है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार के बिजली विभाग ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से संबद्ध ऑडिटरों के माध्यम से बिजली सब्सिडी का विशेष ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि विशेष ऑडिट से जुड़े प्रावधानों के स्पष्ट होने पर ही यह काम शुरू हो पाएगा। डीईआरसी विशेष ऑडिट की शर्तों एवं प्रावधानों के बारे में सरकार से स्थिति स्पष्ट करने को कह सकता है। इसके अलावा कानूनी पहलुओं पर भी चीजें स्पष्ट करने को कहा जा सकता है। दिल्ली सरकार की तरफ से वित्त वर्ष 2016-17 से लेकर 2021-22 के बीच 13,500 करोड़ रुपये की सब्सिडी बिजली वितरण कंपनियों को दी गई थी।

भारत में सेडान कारों की बढ़ने लगी मांग

-आते ही छीन ले गई टॉप पोजिशन का ताज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में बड़ी और ऊंची एसयूवी गाड़ियों की मांग बढ़ रही है। यही वजह है कि लंबी यानी सेडान कारों की मांग बढ़ने लगी है। महज 10 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी वाले सेगमेंट में हाल ही में एक के बाद एक कई नए मॉडल लॉन्च हुए हैं। सेगमेंट किंग कही जाने वाली वाली होंडा सिटी कार हुंडई वरना ने पीछे छोड़ दिया है। अपने रेडिकल लुक्स और पैक्ड फीचर्स के साथ नई हुंडई वरना पॉपुलर होंडा सिटी को पछाड़ने में कामयाब रही है। पिछले महीने हुंडई ने वरना की कुल 3,755 यूनिट्स सेल की हैं, जबकि होंडा सिटी को सिर्फ 2,693 ग्राहकों ने ही खरीदा है। सिटी के बाद वरना एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम से लैस होने वाली अपने सेगमेंट की दूसरी सेडान है। नई हुंडई वरना की सबसे खास बात ये है कि यह अब साइज में पहले से बड़ी हो गई है। इसका व्हील बेस सिटी, वर्टस और स्लाविया से बड़ा है। इसके अलावा वरना इंजन ऑप्शन में उपलब्ध है, जिसमें एक 113बीएचपी पावर आउटपुट के साथ 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और दूसरा 158बीएचपी के आउटपुट के साथ 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है। दूसरी ओर होंडा सिटी स्टैंडर्ड पेट्रोल और हाइब्रिड विकल्पों में उपलब्ध है। नई हुंडई वरना की एक्स शोरूम कीमत 10.90 लाख रुपये से शुरू होकर 17.38 लाख रुपये तक जाती है। दूसरी ओर होंडा सिटी की एक्स शोरूम की कीमत 11.49 लाख रुपये से शुरू होकर 15.97 लाख रुपये तक जाती है। वरना के नए मॉडल के इंटीरियर में इलेक्ट्रिक सनरूफ, हीटेड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, 10.25-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और सिंगल-पीस स्क्रीन में पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, लेवल 2 अडास और आठ-स्पीकर बोस-सोसेंड म्यूजिक सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

भारत पनामा में लॉजिस्टिक हब खोलने पर कर रहा विचार: एस जयशंकर

लैटिन अमेरिका के साथ 50 अरब डॉलर के करीब पहुंचा व्यापार

नई दिल्ली ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत पनामा में भारतीय कंपनियों के लिए लॉजिस्टिक हब खोलने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का लैटिन अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ रहा है और यह अब 50 अरब डॉलर के पास पहुंचने वाला है। विदेश मंत्री सोमवार को पनामा पहुंचे, यहां से पहले वह गुयाना के दौरे पर थे। विदेश मंत्री जयशंकर ने पनामा के राष्ट्रपति नितो कॉर्टिजो से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से बधाई दी। कॉर्टिजो ने कहा कि बैठक के दौरान उन्होंने पनामा के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी और सस्ती दवाएं प्राप्त करने के लिए भारतीय दवा उद्योग के साथ गठबंधन करने की इच्छा के बारे में बात की। नितो कॉर्टिजो ने ट्वीट किया कि हमारे बीच पनामा के लोगों के लिए गुणवत्ता वाली, सस्ती और प्रभावी दवाओं के लिए भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के साथ गठजोड़ पर चर्चा हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पनामा के विदेश मंत्री जनैना तेवने मेंकोमो से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नया भारत और नया पनामा मौजूदा समय में मिलकर काम करेंगे। पनामा ने खुद को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत और लैटिन अमेरिका के बीच लगभग 50 अरब डॉलर का व्यापार बहुत डायवर्सिफाइड है। खनन, ऊर्जा, कृषि और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निवेश में अच्छी खासी ग्रोथ से इसे और बढ़ावा मिलेगा।

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर ने निवेशकों को दिया 37 प्रतिशत का रिटर्न

200 वंदे भारत ट्रेन को बनने और रखरखाव का मिला आर्डर

मुंबई । शेयर बाजार पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, लेकिन कुछ शेयरों में इस सत्र में तगड़ा उछाल देखने को मिला है। ऐसा ही एक शेयर आरीवीएनएल, जिसने पिछले दो कारोबारी सत्रों में निवेशकों को 37 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। आरीवीएनएल एक सरकारी कंपनी है। इसका पूरा नाम रेल विकास निगम लिमिटेड है। कंपनी रेलवे से जुड़ा कामकाज देखती है। पिछले कुछ दिनों में कंपनी को कई बड़े ऑर्डर मिले हैं, जिसके कारण निवेशकों का सकारात्मक रुझान बना हुआ है। रेल विकास निगम लिमिटेड 21 अप्रैल, 2023 (शुक्रवार) को 76.90 पर बंद हुआ था। सोमवार को शेयर में करीब 12 प्रतिशत की तेजी हुई थी और मंगलवार को शेयर 20 प्रतिशत उछलकर 105 रुपये के अपने अभी तक के सबसे उच्चतम स्तर को छू गया। इस तरह शेयर में पिछले दो दिनों में करीब 37 प्रतिशत की तेजी दिखाई है। हालांकि, शेयर बुधवार (26 अप्रैल, 2023) के सत्र में 1.67 प्रतिशत गिरकर 102.75 पर है। वहीं, बीते एक महीने में कंपनी का शेयर 55.94 प्रतिशत, छह महीने में 151.27 प्रतिशत और बीते एक साल में 198.42 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है। पिछले माह आरीवीएनएल ने रूसी कंपनी टीएमएच के साथ मिलकर 200 वंदे भारत ट्रेन को बनाने और रखरखाव के लिए सबसे कम 58,000 करोड़ रुपये की बोली लगाकर रेल मंत्रालय से ट्रेंडर जीता था। इसमें एक ट्रेंन को बनाने की लागत 120 करोड़ रुपये आएगी। आरीवीएनएल को भारत में रेलवे से जुड़े प्रोजेक्ट को पूरा करते हुए दो दशकों से अधिक का समय हो सकता है। अब कंपनी अन्य देशों में जाकर रेलवे प्रोजेक्टों के लिए बोली लगा रही है। इस कारण मैनेजमेंट को उम्मीद है कि कंपनी आने वाले सालों में 20 प्रतिशत के सीजीएआर से ग्रोथ कर सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बाजार में ये बढ़त कुछ शेयरों में खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 169.87 अंक करीब 0.28 फीसदी बढ़कर 60,300.58 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,362.79 तक ऊपर जाने के बाद 59,954.91 तक गिरा। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 44.35 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी बढ़कर अंत में 17,813.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 17,827.75 तक ऊपर जाने के बा 17,711.20 तक गिरा।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 21 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे अधिक 2.49 फीसदी तक का उछाल आया। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, लार्सन एंड टूब्रो, नेस्ले इंडिया और एचसीएल टेक के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 9 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। बजाज फिनसर्व के शेयर

सबसे अधिक करीब 0.84 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एनटीपीसी, रिलायंस, कोटक बैंक और बजाज फाइनैंस के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 19.91 अंक करीब 0.03 फीसदी ऊपर आकर 60,150.62 के स्तर पर रहा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.80 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी टूटकर 17,762.50 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। आज सुबह प्री-ओपनिंग के दौरान बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 165.34 अंक यानी 0.27 फीसदी टूटकर 59,965.37 के स्तर पर दिखा। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है जबकि जापान के निक्की और चीन के शंघाई कम्पोजिट में गिरावट दर्ज की गयी। यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में नुकसान में रहे। गत दिवस अमेरिकी बाजारों में बड़ी गिरावट आई थी उसे भी बाजार में निराशा है।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 फीसदी बढ़कर 80.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

भारतीय आईटी खर्च 2023 में 4.7 प्रतिशत बढ़कर 86.7 अरब डॉलर होने का अनुमान

मुंबई ।

भारतीय आईटी खर्च (जिसमें उद्यमों, सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं द्वारा खर्च शामिल है) 2023 में 4.7 प्रतिशत बढ़कर 86.7 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो 2023 के लिए पहले के 5.8 प्रतिशत विकास पूर्वानुमान से कम है। भारतीय उद्यमों और सेवा प्रदाताओं द्वारा आईटी खर्च 2023 में 7.8 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, जो 2022 की तुलना में धीमा है। उपभोक्ता आईटी खर्च (मोबाइल, टैबलेट, पीसी, पहनने योग्य और बाह्य उपकरणों जैसे उपकरणों की उपभोक्ता खरीद पर हावी) में भारी गिरावट देखी गई और बढ़ती कीमतों के कारण सतर्क हो गया, जिससे 2023 में विकास दर 2.1 प्रतिशत हो गई। मामले से जुड़े जानकार ने कहा, बढ़ती महंगाई और मुद्रा के अवमूल्यन ने प्रौद्योगिकी निवेश को महंगा बना दिया है। लेकिन वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थिति के कमजोर होने की चिंता के साथ, व्यय वृद्धि में कमी आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2023 में अपेक्षित वैश्विक आर्थिक मंदी और लगातार उच्च तेल की कीमतों के कारण 2024 में अपेक्षित सुधार के साथ सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, बड़े घरेलू उपभोक्ता आधार के महत्व और वैश्विक मांग पर कम निर्भरता के कारण भारत की जीडीपी कुछ समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक बनी हुई है। गुप्ता ने कहा, उद्यमों को अभी भी अपने व्यवसाय को प्रभावित करने वाली

चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और परिवर्तन पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए उपभोग-आधारित मॉडल देखेंगे। घरेलू आईटी सेवाओं पर खर्च 2023 में 8.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है और क्लाउड-आधारित समाधानों को अधिक अपनाने से संचालित सॉफ्टवेयर खर्च में 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

ग्राहकों के पैसे से नई बैंक गारंटी नहीं ले पाएंगे शेयर ब्रोकर

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शेयर ब्रोकरों एवं क्लियरिंग सदस्यों को ग्राहकों के कोष पर एक मई से नई बैंक गारंटी लेने से रोक दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि शेयर ब्रोकरों एवं क्लियरिंग सदस्यों को अपनी सभी मौजूदा बैंक गारंटी सितंबर के अंत तक वापस लेने का भी निर्देश जारी किया गया है। सेबी ने परिपत्र में कहा कि एक मई, 2023 से शेयर ब्रोकर एवं क्लियरिंग सदस्य ग्राहकों के पैसे से कोई भी बैंक गारंटी नहीं ले पाएंगे। ग्राहकों के कोष से अभी तक ली गईं सभी बैंक गारंटी को 30 सितंबर, 2023 तक समेटना होगा। मौजूदा समय में शेयर ब्रोकर एवं क्लियरिंग सदस्य ग्राहकों के पैसे को बैंकों के पास गिरवी रखते हैं। बैंक यह राशि अधिक लाभ के लिए क्लियरिंग निगमों को बैंक गारंटी के तौर पर जारी करते हैं। इस प्रक्रिया में ग्राहकों का पैसा बाजार जोखिमों के अधीन आ जाता है। हालांकि, यह प्रावधान शेयर ब्रोकरों एवं क्लियरिंग सदस्यों के स्वामित्व वाले कोष पर लागू नहीं होगा।

एसएंडपी ग्लोबल ने टाटा मोटर्स की रेटिंग में सुधार किया

मुंबई ।

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने टाटा मोटर्स की आय में सुधार और कर्ज के बोझ को घटाने की कवायदों के चलते परिदृश्य को स्थिर मानकर कंपनी की रेटिंग में बदलाव कर इस स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबी कर दिया गया है। इसके पहले टाटा मोटर्स को एजेंसी ने 'बीबी- की रेटिंग दी थी। एसएंडपी रेटिंग्स के मुताबिक 'बीबी श्रेणी निकट भविष्य में कम अस्थिरता को दर्शाती है। हालांकि, इसमें कई मौजूदा अनिश्चितताओं के साथ प्रतिकूल व्यापार, वित्तीय और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने का जोखिम होता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत में टाटा मोटर्स की परिचालन परिस्थितियों विशेषकर उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी (जेएलआर) की परिचालन परिस्थितियों में सुधार के चलते आने वाले 12 से 18 माह में कंपनी के लिए नकदी प्रवाह मजबूत होगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा, इसकारण हमने टाटा मोटर्स और उसकी मूल अनुषंगी टीएमएल होल्डिंग्स के लिए दीर्घकालिक रेटिंग्स को 'बीबी माइनस से सुधार कर 'बीबी कर दिया है। इसमें कहा गया कि स्थिर रेटिंग परिदृश्य का मतलब यह है कि टाटा मोटर्स का नकदी प्रवाह आने वाले 12-18 महीने में बेहतर होता जाएगा।

कुकॉइन का ट्विटर अकाउंट हैक, 22,600 डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चोरी

सिंगापुर सिटी ।

सिंगापुर स्थित क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कुकॉइन ने कहा है कि उसका ट्विटर अकाउंट हैक किया गया था, जिससे धमकी देने वाले हैकरों को एक धोखाधड़ी देने वाले घोटाले को बढ़ावा देने की अनुमति मिली, जिसके परिणामस्वरूप 22,600 डॉलर से अधिक मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी की चोरी हुई। कंपनी ने कहा, एटदरेट कुकॉइनकॉम हैंडल को 00:00 अप्रैल 24 (यूटीसी प्लस 2) से लगभग 45 मिनट के लिए हैक किया गया था। एक नकली गतिविधि पोस्ट की गई और दुर्भाग्य से कई उपयोगकर्ताओं के लिए संपत्ति का नुकसान हुआ। कृपया ध्यान दें कि इस घटना में केवल कुकॉइन के ट्विटर खाते से छेड़छाड़ की गई थी। हमने घटना के बाद आधिकारिक ट्विटर समर्थन से खाते का नियंत्रण पुन: प्राप्त करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। हालांकि, कंपनी ने कहा कि वह सोशल मीडिया के उल्लंघन और नकली गतिविधि के कारण होने वाले सभी वेरिफाइड संपत्ति नुकसान की पूरी तरह से प्रतिपूर्ति करेगी।

हालांकि खाते को 45 मिनट की संक्षिप्त अवधि के लिए हैक किया गया था, क्रिप्टो एक्सचेंज ने बताया है कि उस समय के दौरान, 22 बिटकॉइन और एथेरियम लेनदेन उसके फॉलोअर्स द्वारा भेजे गए थे। इसने दुर्भाग्य से हैकर्स को कुल 22,628 डॉलर की चोरी करने के लिए पर्याप्त समय दिया। कुकॉइन ने कहा, 02:00 अप्रैल 24 तक, हमने 22,628 यूएसडी के कुल मूल्य के साथ फर्जी गतिविधि से जुड़े ईटीएच/बीटीसी सहित 22 लेनदेन की पहचान की है। इसके अलावा, कंपनी ने उल्लेख किया कि कुकॉइन टीम ट्विटर के मौजूदा 2 एफए (दो-कारक प्रमाणीकरण) के अलावा, अपने सोशल मीडिया खातों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को लागू करेगी। कंपनी ने कहा, हम भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ट्विटर के साथ घटना की गहन जांच भी कर रहे हैं। 2020 में, कुकॉइन के एक हैक में 150 मिलियन डॉलर से अधिक के खाली होने का अनुमान है। कुकॉइन ने सुरक्षा घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि इसने कुछ बड़ी निकासी का पता लगाया है। यह पाया गया कि कुकॉइन के हॉट वॉलेट में बिटकॉइन, ईआरसी-20 और अन्य टोकन का हिस्सा एक्सचेंज से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया था।

मुकेश अंबानी ने अपने कर्मचारी को तोहफे में दिया 1500 करोड़ का आलीशान घर

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी ने अपने कर्मचारी को तोहफे में 1500 करोड़ का आलीशान घर`` दिया है,` जिसकी खूब चर्चा हो रही है। लोग कह रहे हैं`` कि मुकेश अंबानी सिर्फ बड़ा बैंक बैलेंस ही नहीं रखते, बल्कि उनका दिल भी बड़ा है। जानकारी के अनुसार अपने कर्मचारियों की मदद के लिए हमेशा खड़े रहने वाले मुकेश अंबानी ने हाल ही में अपने एक पुराने इम्पलाई के लिए 1,500 करोड़ रुपए का मकान खरीदा है। सालों से रिलायंस के लिए काम कर रहे मनोज मोदी को मुकेश अंबानी ने 22 मंजिला इमारत तोहफे में दी है। इस प्रॉपर्टी का नाम वृंदावन रखा है। अंबानी के राइट हैंड कहलाने वाले मनोज मोदी शुरुआत से लेकर अब तक कंपनी के साथ हैं। वह ना केवल रिलायंस के कर्मचारी है बल्कि मुकेश अंबानी के दोस्त भी हैं। अंबानी परिवार ने मनोज मोदी के लिए मुंबई के नेपियन सी रोड में 22 मंजिला इमारत खरीदी है। इस प्रॉपर्टी का नाम वृंदावन रखा है। नेपियन सी रोड मुंबई का पॉश इलाका है। यहां प्रॉपर्टी के रेट्स 45,100 रुपए से लेकर 70,600 रुपए प्रति वर्ग फुट तक है। इस इमारत की कीमत 1,500 करोड़ रुपए बताई जा रही है। 1.7 लाख वर्ग फुट एरिया में ये बिल्डिंग बनी है। जानकारी के अनुसार मनोज मोदी मुकेश अंबानी के कॉलेज फ्रेंड भी हैं, दोनों क्लासमेट रहे हैं। दोनों ने एक साथ यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की है। पढ़ाई के बाद जब मुकेश अंबानी ने रिलायंस में काम करना शुरू किया, उन्होंने मनोज को भी अपने साथ बुला लिया। साल 1980 से ही मनोज मोदी रिलायंस इंडस्ट्रीज में साथ जुड़े हैं। सालों से वह बिना थके कंपनी के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम कर रहे हैं। ना केवल कारोबार में बल्कि अंबानी परिवार में भी उनकी काफी इज्जत है। खुद मुकेश अंबानी उनकी कही बातों को गौर से सुनते हैं। अंबानी परिवार के बच्चों के लिए वो मेंटर के तौर पर काम करते हैं। कहा तो ये भी जाता है कि रिलायंस की सफलता के पीछे उनका दिमाग है।

रिलायंस में उन्हें एमएम कहकर बुलाया जाता है। उनके काम का सम्मान करते हुए अब अंबानी परिवार ने उन्हें बेशकीमती तोहफा दिया है। मनोज मोदी रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल के डायरेक्टर के पद पर हैं।

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की फ्रोंक्स, शुरुआती कीमत 7.47 लाख रुपए

टॉप वैरिएंट का प्राइज़ 13.14 लाख रुपए एक्स शोरूम

नयी दिल्ली ।

मारुति सुजुकी ने भारतीय बाजार में फ्रोंक्स को लॉन्च कर दिया है। इसे सिग्मा डेल्टा, ज़ीटा, अल्फा और अल्फा ड्यूल-टोन वैरिएंट्स में पेश किया है। इस गाड़ी की शुरुआती कीमत 7.47 लाख रुपये है और इसके टॉप वैरिएंट का प्राइज़ 13.14 लाख रुपये एक्स शोरूम रखा गया है। कंपनी इस एसयूवी की बिक्री अपने प्रीमियम नेक्सा डीलरशिप से कर रही है। फीचर्स की बात करें तो मारुति सुजूकी फ्रोंक्स एंड्राइड ऑटो, एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी, आर्किमज सराउंड साउंड सिस्टम, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, टर्न बाई टर्न नेविगेशन, 360-डिग्री व्यू कैमरा, वॉयरलेस चार्जर, सुजुकी कनेक्ट से लैस है। सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग, स्टेबिलिटी कंट्रोल, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट, हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी, रोल ओवर मिटिगेशन, ब्रेक असिस्ट, ईबीडी के साथ एबीएस, 3 पॉइंट सीटबेल्ट जैसे फीचर्स दिए हैं। यह गाड़ी भारतीय मार्केट में रेनाल्ट, निशान मैगनाइट, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा एक्सयूवी300 और किया सोनेट को टक्कर देने वाली है।

इस गाड़ी में 2 इंजन दिए हैं। पहला 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल और दूसरा 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन है। 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन 100 बीएचपी पावर और 147 एनएम टॉर्क देता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल, ऑटोमेटिक और 6-स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स ऑप्शन भी दिया है। 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन 90 बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क देता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उछाल से घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। कच्चा तेल (क्रूड) 0.32 डॉलर करीब 0.42 फीसदी ऊपर आकर 77.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.23 डॉलर तकरीबन 0.28 फीसदी उछलकर 81 डॉलर पर पहुंचा गया है। इससे बुधवार को घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया। कहीं पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं तो कहीं घटी हैं। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 95.07 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है जबकि डीजल 78 पैसे कम होकर 84.38 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया जबकि पटना में कीमतों में बढ़त के साथ ही पेट्रोल 107.42 रुपये और डीजल 94.21 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं मध्य प्रदेश में पेट्रोल 38 पैसे और डीजल 36 पैसे सस्ता हुआ है जबकि पंजाब में पेट्रोल की कीमतें 28 पैसे, राजस्थान में 34 पैसे और महाराष्ट्र में 24 पैसे बढ़ी हैं। इन राज्यों में डीजल 27 पैसे, 31 पैसे और 25 पैसे महंगा हुआ है। नोएडा में पेट्रोल बढ़कर 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में भी कीमतें 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गयी हैं। लखनऊ में पेट्रोल 96.35 रुपये और डीजल 89.55 रुपये प्रति लीटर हो गया हैदूसरी ओर चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटीं हैं। चारों महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कई देशों ने फीफा महिला विश्व कप की मेजबानी करने के लिए दिए आवेदन

(एजेंसी) फीफा ने घोषणा की है कि उसे 2027 फुटबॉल महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए सदस्य देशों से कुल चार आवेदन प्राप्त हुए हैं। बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड ने संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी करने की अपनी इच्छा जताई है। संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको भी एक साथ होस्ट करना चाहते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका ने भी फीफा को अपनी इच्छा जता दी है। होस्ट करने की इच्छा जताने वाले देशों को फीफा अब बिडिंग अग्रीमेंट भेजेगा और उन्हें अपनी भागीदारी की पुष्टि 19 मई, 2023 से पहले करनी होगी। फीफा 17 मई, 2024 को मेजबानी पर फैसला करेगा।

आईपीएल में आज सीएसके ओर राजस्थान में होगा रोमांचक मुकाबला

जयपुर ।

राजस्थान रॉयल्स की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएकसके) टीम के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में वह पिछले दो मैचों की हार से उबरकर जीत के साथ ही वापसी करना चाहेगी। इस दौरान उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। हालांकि यह इतना आसान नहीं है क्योंकि कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की टीम को पिछले मैचों में लगातार जीत मिली है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। सीएसके इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी क्योंकि इसमें जीत से उसके पास प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं रहेंगी। सीएसके के पास रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं जिन्हें रोकना राजस्थान के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। ऐसे में इस मैच में सीएसके ओर राजस्थान के शीर्ष विश्वस्तरीय स्पिनरों के बीच घमासान होना तय है। सीएसकी की ओर से खेल रहे अजिंक्य रहाणे इस बार तूफानी अंदाज में दिखे हैं उनपर भी अंकुश लगाना राजस्थान के स्पिनरों के लिए आसान नहीं रहेगा।

वहीं कॉनवे ने अभी तक सात मैचों में 314 रन बनाए हैं जबकि रहाणे ने पांच मैचों में 209 रन बनाये हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों पर नाबाद 71 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उनका स्ट्राइक रेट 199.04 रहा है। रॉयल्स ने इस सत्र में सीएसके के खिलाफ पिछला मैच जीता था जिसका मनोवैज्ञानिक लाभ उसे मिलेगा हालांकि उस मैच में भी धोनी ने शानदार प्रदर्शन कर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया था। दूसरी ओर कप्तान संजू सैमसन भी

अपनी टीम राजस्थान को जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। उनका लक्ष्य सभी खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। यदि राजस्थान की टीम को जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन को जमकर रन बनाने होंगे। इस मैदान पर स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में राजस्थान को अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल के होने का लाभ मिल सकता है।

बबीता फोगाट ने साइ अधिकारी राधिका पर जांच रिपोर्ट छीनने का आरोप लगाया

सोनीपत ।

महिला पहलवान बबीता फोगाट ने आरोप लगाया है कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जब वह जांच रिपोर्ट पढ़ रहीं थीं तो भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की एक अधिकारी राधिका श्रीमन ने उनके हाथ से ये रिपोर्ट छीन ली थी। बबीता भी राधिका की तरह ही कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के मामले में बनी जांच समिति की सदस्य हैं। बबीता ने कहा कि जब मैं जांच रिपोर्ट पढ़ रही थी तो मेरे हाथ से उन्होंने जांच रिपोर्ट छीन ली और मेरे साथ बदतमीजी की गई। साथ ही कहा कि मैंने जांच रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति दर्ज करवाई है। बबीता अभी जंतर-मंतर पर देश के अन्य शीर्ष पहलवानों के साथ धरने पर बैठी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक बृजभूषणके खिलाफ यौन शोषण मामले में एफआईआर और गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक वो अपना धरना समाप्त नहीं करेंगी। . बबीता ने कहा कि मैं उस जांच कमेटी में शामिल थी, जो कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख पर लगे आरोपों की जांच कर रही थी और जब मैं वह जांच रिपोर्ट पढ़ रही थी, तब इस जांच कमेटी में शामिल राधिका ने श्रीमन मेरे हाथ से रिपोर्ट छीन ली और बदतमीजी की। उन्होंने कहा कि मैंने इस रिपोर्ट मे कई बिंदुओं पर सवालिया निशान उठाए हैं, जिन्हें खारिज कर दिया गया। मैंने उस रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति दर्ज करवाई है। उन्होंने बृजभुषण शरण को रिपोर्ट में क्लीन चिट दिए जाने के सवाल पर कहा कि मैं यह नहीं बता सकती कि उन्हें क्लीनचिट दी गई है या नहीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी और पहलवान अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और उनका अधिकार कोई नहीं छीन सकता।

एकदिवसीय विश्वकप में भी नहीं खेल सकेंगे ऋषभ, ईशान और सैमसन को मिलेगा अवसर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के इस साल अक्टूबर-नवंबर में एकदिवसीय विश्वकप में खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ इस साल शायद ही खेल पायें। वह अगले साल ही टीम में वापसी करेंगे। ऋषभ दिसंबर में हुए कार हादसे से अभी उबर रहे हैं। उनके बाहर होने पर बतौर विकेटकीपर ईशान किशन और संजू सैमसन को वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिल सकती है हालांकि बीसीसीआई की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऋषभ की मैदान पर वापसी का सही समय तभी पता चल सकेगा जब वे एनसीए में रिहैब के लिए जाएंगे। ऋषभ के बाहर होने से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए बतौर विकेटकीपर केवल केएस भरत को जगह मिली है। इसके अलावा टीम में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल भी शामिल हैं। राहुल को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भी विकेटकीपिंग का अनुभव है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी चोटिल होने के कारण अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर है। इन दोनो की भी सर्जरी हुई है अब देखना है कि ये कब तक मैदान में वापसी कर पाते हैं। आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विकेटकीपरों को एशिया कप के लिए जगह मिल सकती है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अब तक आईपीएल की सात सात पारियों में 26 की औसत से 181 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 159 का रहा है।

गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ने फेंका सबसे मंहगा ओवर

करोड़ों के खिलाड़ी ईशान, ग्रीन और सूर्यकुमार गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के सामने नतमस्तक

मुंबई । मुंबई इंडियंस भले ही आईपीएल में भविष्य की टीम बनाने पर जोर दे रही है, लेकिन इस आपधापी में वह अपना कोर पावर गेंदबाजी भूला रही है। बुमराह, ऑर्चर की गैरहाजिरी में मंगलवार को मुंबई के गेंदबाज नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात के मध्यक्रम बल्लेबाजों के आगे नतमस्तक हो गए। मुंबई ने आखिरी 5 ओवरों में 77 रन लुटाए। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी उनकी पोल खुली थी। तब सैम कुरैन ने जितेश शर्मा के साथ मिलकर आखिरी 5 ओवरों में 96 रन कूट दिए थे।

मुंबई के प्यारे गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर को इस दौरान सीजन की सबसे खराब ओवर फेंकने के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल होना पड़ा। 6.2 फीट के अर्जुन 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फैंकते दिखे। सैम कुरैन और जितेश ने इसका भरपूर फायदा उठाया और अर्जुन के एक ही ओवर में 31 रन खींच लिए। बहरहाल, अहमदाबाद में 208 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने फिर से खराब शुरूआत की। सीजन में खराब स्ट्राइक रेट के कारण निंदा का शिकार हो रहे रोहित (2) फिर फैंस को निराश कर गए। मुंबई ने पावरप्ले में सिर्फ 29 रन बनाए जोकि सीजन में तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन रहा। ऊपर से रही सही कसर ईशान किशन ने निकाल दी। 15.25 करोड़ में बिके ईशान 208 के टारगेट का पीछा करते हुए 21 गेंदों में महज 13 रन बनाकर आऊट हो गए। वह इतने रन भी न बना पाते अगर मोहम्मद शमी की लगातार 4 गेंदें ईशान के बल्ले का किनारा लेने से चूक जाती। 5 बार खिताब जीत चुकी मुंबई को अफगानिस्तान के 18 साल के गेंदबाज नूर अहमद भी नचाते दिखे। अहमद ने 3 गेंदों के बीच कैमरून ग्रीन और टिम डेविड का विकेट लेकर शुरूआती 11 ओवरों में ही गुजरात की जीत पक्की कर दी। मुंबई ने आईपीएल ऑक्शन में ईशान (15.25 करोड़), कैमरून ग्रीन (17.50 करोड़), सूर्यकुमार (8 करोड़), टिम डेविड (8.25 करोड़) खरीदे थे, जोकि 49 करोड़ के पड़ते हैं, लेकिन गुजरात के खिलाफ अहम मुकाबले में वह प्रदर्शन करने से चूक गए।

संक्षिप्त समाचार

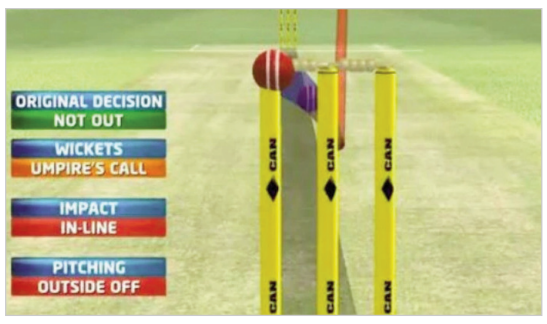

साहा के डीआरएस मामले में अंपायरों पर खतरा मंडराया

मुम्बई । अहमदाबाद में मंगलवार को गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल मुकाबले में अंपायरों की एक गलती अब उन्हें भारी पड़ सकती है। इस मुकाबले में अंपायरों ने जल्दी में गुजरात के विकेटकीपर की बात मानकर फैसला दे दिया। जिस पर प्रशंसकों का ध्यान चला गया। इस मैच में गुजरात के विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा ने अर्जुन तेंदुलकर की गेंद को लेग साइड पर खेला पर ये विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों में चली गयी। इसपर अर्जुन ने अपील की जिसपर काफी इंतजार के बाद अंपायर ने आउट का फैसला दिया। इसके बाद असली विवाद शुरु हुआ। अंपायर के आउट देने पर ऋद्धिमान साहा को भरोसा नहीं था कि वह आउट हैं या नहीं। उन्होंने इसको लेकर अपने सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल के साथ बात की। अंत में साहा ने रेफरल के लिए संकेत देने का फैसला किया हालांकि जब मक उन्होंने डीआरएल लिया, तब तक निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) में टाइमर समाप्त हो गया था। कमेंटेटर ने भी इस तरफ संकेत किया। ऐसे में सभी उम्मीद थी कि साहा को डीआरएस नहीं मिलेगा पर अंपायर ने अनुमति दे दी, जिससे कई लोग हैरान हो गये। यह घटना मैच के तीसरे ओवर में हुई। साहा को यह बताने की जगह कि डीआरएस का विकल्प तय करने का समय समाप्त हो गया है। मैदान पर उपस्थित अंपायरों अनिल चौधरी और नंद किशोर ने इस कॉल को सही बताया। हालांकि साहा को अंत में आउट होकर पवेलियन लौटन पड़ा, लेकिन डीआरएस दिया ही नहीं जाना चाहिए थे। इस पूरे घटनाक्रम में एक और हैरान करने वाली बात यह रही कि मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों ने भी इसका विरोध नहीं किया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और प्रंससक इसकी आलोचना भी कर रहे हैं।

नेट्स पर अभ्यास सत्र का लाभ मिला : मनोहर

अहमदाबाद । आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज अभिनव मनोहर ने कहा कि उनकी टीम को नेट्स पर लंबे अभ्यास सत्र का लाभ मिला है। मनोहर ने कहा कि इसी कारण वे अच्छी बल्लेबाजी कर पा रह हैं। इस बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर ही 42 रन की तेज पारी खेली थी। इससे गुजरात ने यह मैच 55 रन से जीता था। उनके अलावा डेविड मिलर और राहुल तेवतिया ने भी आक्रामक पारियां खेली जबकि शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाया। मनोहर ने कहा,'' हमारी टीम बहुत अधिक नेट अभ्यास करती है। हम अभ्यास सत्र में बहुत अधिक समय बिताते हैं और बल्लेबाजों को पर्याप्त अभ्यास का मौका मिलता है जिससे हमें काफी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा,'' हमने आईपीएल से पहले दो अभ्यास शिविरों में हिस्सा लिया था जिससे वास्तव में हमें फायदा मिला। मैं टीम में अपनी भूमिका जानता हूं। फ्रेंचाइजी ने हमें हमारी भूमिका को लेकर स्पष्ट तौर पर बता रखा है और इससे भी हमें सहायता मिलती है। अपनी पारी के दौरान तीन छक्के और इतने ही चौके लगाने वाले मनोहर ने कहा कि क्रीज पर बल्लेबाज मिलर से हुई बातचीत का भी उन्हें फायदा मिला।

51 करोड़ लो, सालभर हमारे लिए खेलो, आईपीएल टीमें कर सकती हैं ऐसी पेशकश

खिलाड़ियों को 5 टूर्नामेंट के लिए साइन कर सकती

मुंबई ।

इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 2008 में हुई। इसके बाद सभी बड़े देशों ने अपनी-अपनी टी20 लीग शुरू की। आईपीएल आज दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग है। आईपीएल 2023 की बात करें, तब 200 से अधिक देशी-विदेशी खिलाड़ी इसमें शामिल हो रहे हैं। एक टीम खिलाड़ियों की सैलरी पर एक साल में 95 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। इस तरह से सभी 10 टीमें सैलरी के तौर खिलाड़ियों को हर साल 950 करोड़ रुपये देती हैं। आईपीएल टीमें अब नए मॉडल पर काम रही हैं। वे सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों के साथ अनुबंध नहीं करना चाहती, बल्कि वे उन्हें सालभर अपने साथ जोड़े रखना चाहती हैं, क्योंकि उनकी टीमें दुनिया की अन्य लीग में भी उतर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल टीमों की ओर से इंग्लैंड के 6 खिलाड़ियों को इस तरह के ऑफर दिए गए हैं। इसके लिए उन्हें हर साल अधिकतम 51 करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं। यह इंग्लिश बोर्ड से मिलने वाली राशि से 5 गुना अधिक है।

इस मॉडल पर दुनियाभर में चर्चा भी हो रही है। यह फुटबॉल मॉडल की तरह है, जहां साल भर खिलाड़ी क्लब के लिए खेलते हैं और इंटरनेशनल मुकाबलों के लिए रिलीज कर दिए जाते हैं। बताया जा रहा हैं कि इस साल के अंत तक खिलाड़ियों को इस तरह की पेशकश की जा सकती है। आईपीएल टीमें भारत के अलावा यूएई, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अमेरिका में भी उतर रही हैं।

आईपीएल टीमें खिलाड़ियों को कम से कम 5 टूर्नामेंट के लिए साइन कर सकती हैं। उन्हें साल में लगभग 7 महीने खेलना पड़ सकता है। आईपीएल आने वाले वर्षों में 10 सप्ताह का होने जा रहा है। इसके अलावा सऊदी अरब भी बड़ा टी20 टूर्नामेंट शुरू करने की तैयारी में है। इस पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड गोल्ड ने पिछले हफ्ते कहा था कि हम ग्लोबल टूर्नामेंट के कारण चिंतित हैं। कुछ खिलाड़ियों को लंबा कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा ही साथ ही उनकी फीस में भी बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है।

अभी नियम के मुताबिक किसी खिलाड़ी को आईपीएल में उतरने के लिए घरेलू बोर्ड से एनओसी हासिल करना होता है।

हार्दिक पांड्या पिछले खिताब को फिर दोहराने की कोशिश में जुटे, विशेषज्ञों ने की तारीफ

अहमदाबाद ।

गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले खिताब को फिर दोहराने की को शिश में जुटे हुए हैं। हालों कि कल हुए मैच को जीतने के बाद जियो सिनेमा आईपीएल विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी की जमकर प्रशंसा की है। गौरतलब है कि गुजरात टाइटंस ने 25 अप्रैल को नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल स्टेडियम, अहमदाबाद में खेलते हुए आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस पर 55 रन की जोरदार जीत हासिल की। टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी की और कुल 207 रन बनाए। शुभमन गिल (34 रन पर 56) और डेविड मिलर (22 रन पर 46) और अभिनव मनोहर (21 रन पर 42 रन) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इधर अफगान स्पिन राशिद खान और नूर अहमद ने मिलकर मुंबई के पांच विकेट लिए। इस जीत के साथ, गुजरात ने टीम स्टैंडिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो केवल नेट रन रेट में चेन्नई से पीछे है, दोनों टीमों के 10 अंक हैं। हार्दिक पांड्या ने पिछले सीजन में टाइटंस के साथ पहली बार कप्तान के रूप में आईपीएल खिताब जीता और अब उसी चीज को दोहराते दिख रहे हैं। इस पर विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा` कि लक्ष्य को बचाने की स्थिति से मैच जीतना कठिन है, हमने इसे आईपीएल में देखा है। हार्दिक कप्तानी के बारे में बात बहुत खास है। खेल की शुरुआत तेज गेंदबाजों द्वारा गेंद की गति के कारण अनुशासन के साथ हुई। इसके तुरंत बाद, स्पिनरों को सही समय पर पेश किया गया। इसके अलावा उन्होंने मोहित शर्मा का भी जिक्र किया, जिन्होंने 2 विकेट लिए। डेथ ओवरों में पांड्या उन्हें गेंद थमा रहे हैं। चोपड़ा ने कहा` कि मोहित अच्छा नहीं खेल रहा था, फिर भी उसने उसे अंतिम ओवर फेंकने और महत्वपूर्ण विकेट लेने का काम किया। एक कप्तान के रूप में पांड्या उसे गेंद नहीं भी थमा सकते थे क्योंकि वो रन लुटा रहे थे, लेकिन उसने आत्मविश्वास को बनाए रखने के लिए मोहित के दिन को बुरे से अच्छे दिन में बदल दिया। मुझे लगता है कि एक कप्तान के रूप में हार्दिक पांड्या बढ़ रहे हैं और परिपक्व हो रहे हैं।

राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री : सावंत

पणजी । गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि इसी साल अक्टूबर में उनके यहां होने वाले राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सावंत ने इन खेलों की तैयारियों को लेकर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के साथ हुई एक बैठक के बाद ये बात कही। इस बैठक में गोवा के खेल मंत्री गोविंद गौड़े ने शामिल हुए। सावंत ने कहा,'' राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन समारोह 23 या 24 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री के कार्यक्रम पर आधारित रहेगा।।'' उन्होंने साथ ही कहा कि ये खेल 10 नवंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इन खेलों का उद्घाटन समारोह दक्षिण गोवा के फतोर्डा में स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। वहीं आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि गोवा राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है। वहीं खेल मंत्री गोविंद ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के लिए कुल 38 खेलों की पहचान की गई है तथा सभी मैच स्थल तैयार हैं।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए रहाणे को मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

सूर्यकुमार की जगह खतरे में पड़ी

मुम्बई ।

आईपीएल के 16 वें सत्र में अपने नये आक्रामक अवतार में नजर आये बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के बाद अब इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम इंडिया में जगह मिल सकती है। इसका कारण ये है कि रहाणे अभी अच्छे फार्म में हैं ओर उन्हें लंबा अनुभव भी है। उन्होंने आईपीएल में खेले 5 मैचों में 199.04 की तेज स्ट्राइक रेट के साथ 209 रन बना लिए हैं। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। रहाणे की करीब डेढ़ साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। अब अगर वह आईपीएल के अंत तक ऐसे ही खेलते रहे तो उनकी एकदिवसीय विश्वकप में वापसी तय है। इस साल के अक्टूबर और नवंबर के बीच वनडे विश्व कप होना है। श्रेयस अय्यर सहित भारतीय टीम के कई खिलाड़ी अभी चोटिल हैं। ऐसे में रहाणे के पास जगह हासिल करने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम वैसे भी अभी चौथे नंबर पर किसी भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में लगी है। वहीं अगर प्रबंधन रहाणे को शामिल करता है तो आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जगह खतरे में पड़ जाएगी। सूर्यकुमार आईपीएल सत्र में अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा एकदिवसीय में उनके आंकड़े अच्छे नहीं है। हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में हुई तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में भी रन बनाने में विफल रहे।

एकदिवसीय के आंकड़ों पर नजर डालें तो रहाणे का प्रदर्शन खराब नहीं कहा जा सकता है। रहाणे ने अपने वनडे करियर में चौथे नंबर पर 25 पारियों में 36.65 की औसत से 843 रन बनाए हैं, जिसमें 6 अर्धशतक शामिल हैं। रहाणे की से अहम पारियां तब आईं जब उपरी क्रम विफल रहा।

रोहित डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए आईपीएल से ब्रेक लें : गावस्कर

मुम्बई ।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को अभी खेल से ब्रेक लेकर आराम करना चाहिये। गावस्कर के अनुसार रोहित को अब जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए तरोताजा होकर तैयारियां करनी चाहिये। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला लंदन के द ओवल में 7 जून से खेला जाएगा। वहीं आईपीएल 28 मई को समाप्त होगा। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों के पास डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी करने का ज्यादा समय नहीं बचेगा। गावस्कर ने गुजरात के खिलाफ मैच के बाद कहा कि अब रोहित को कुछ आराम करना चाहिए जिससे वह तरोताजा होकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में उतर सकें। साथ ही कहा कि ब्रेक के बाद वह आईपीएल के अंतिम मैचों में भी खेल सकते हैं पर इस दौरान वह अपनी फिटने का ध्यान रखें। अभी उनके दिमाग में डब्ल्यूटीसी फाइनल भी चल रहा होगा। ऐसे में मेरा मानना है कि उन्हें कुछ समय आराम की जरुरत है। वहीं गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को जमकर फटकारा और कहा कि वे एक ही गलती दोहरा रहे हैं, उन्हें टीम से बाहर कर देना चाहिए क्योंकि अभी इन्हें अधिक मेहनत की जरुरत है। ये लोग आराम के बाद अपना प्रदर्शन सुधारकर ही वापसी करें। गावस्कर ने कहा, अब कोई चमत्कार ही मुंबई इंडियंस को इस सत्र के प्लेऑफ में पहुंचा सकता है। उन्हें अंतिम- चार में पहुंचने के लिए आसाधारण प्रदर्शन करना होगा।।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

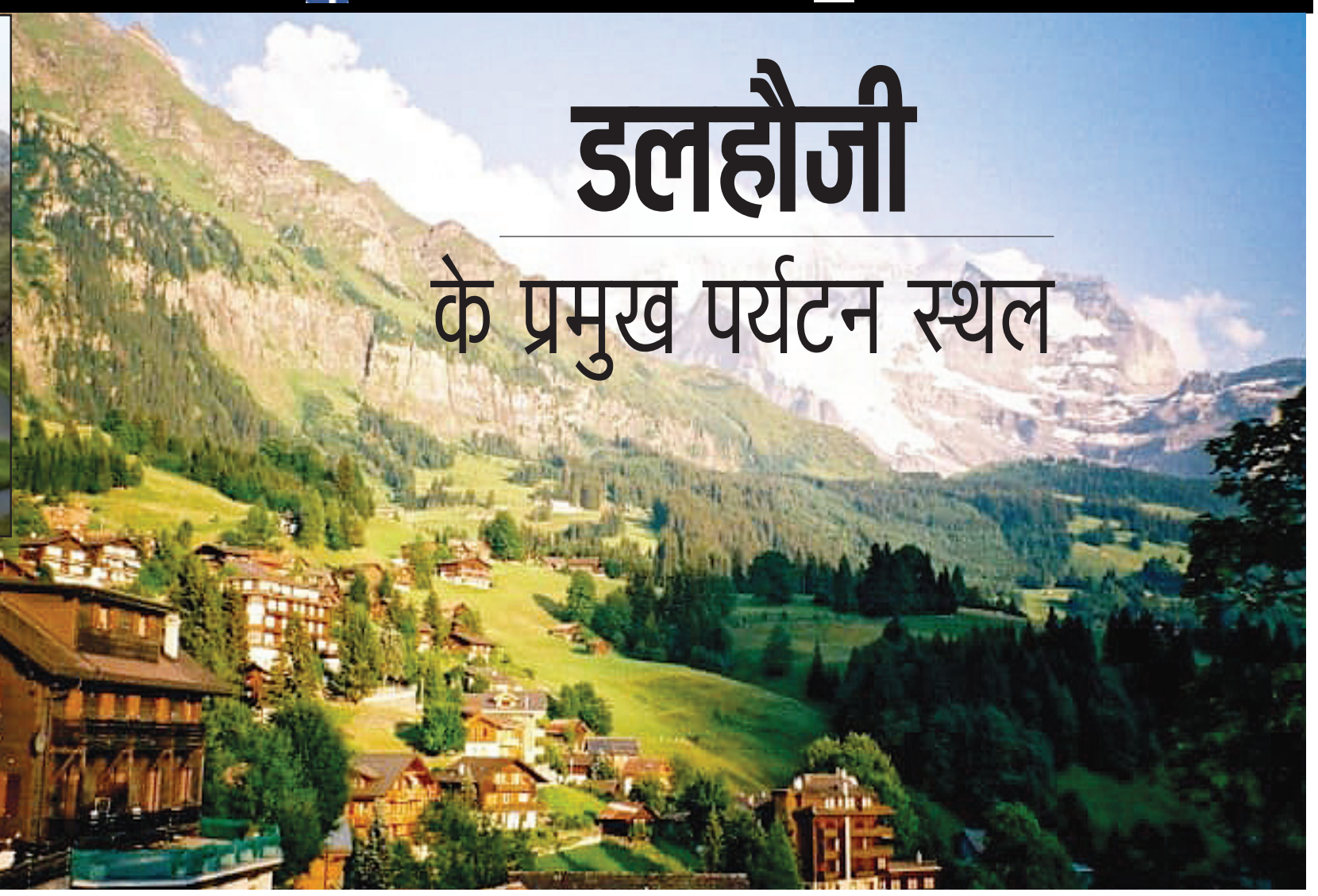

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

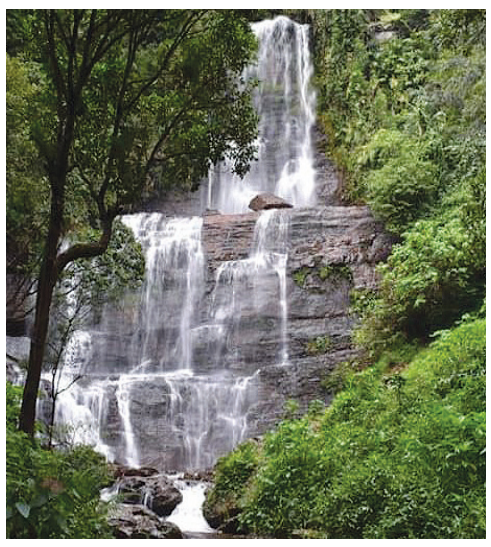

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

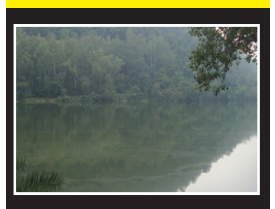

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

चीन रिले उपग्रहों का निर्माण शुरू करेगा, चीनी मीडिया का दावा

बीजिंग । चीनी मीडिया ने बताया कि चीन रिले उपग्रहों का निर्माण शुरू कर देगा जो 2030 तक चंद्रमा और उससे आगे के मिशनों और पृथ्वी पर जमीनी संचालन के बीच एक संचार पुल के रूप में कार्य करेगा। मीडिया रिपोर्ट में चीन के स्पेस प्रोग्राम के मुख्य डिजाइनर वू यानहुआ का हवाला देकर बताया कि उपग्रह तारामंडल का एक पायलट चीन के चल रहे मून मिशनकार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन (आईएलआरएस) के निर्माण का समर्थन करेगा। तारामंडल के निर्माण की शुरुआत करने के लिए क्यूकियाओ -2 या मैगपाई ब्रिज-2 कहा जाता है, जिसका नाम एक चीनी मिथक में मैगपाई से बने पुल के नाम पर रखा गया है। 2024 इस दशक में बिना चालक दल के चंद्र मिशनों का समर्थन करने के लिए चंद्रमा और पृथ्वी के दूर के बीच एक संचार रिले उपग्रह लांच किया जाएगा। उस वर्ष, चीन ने चंद्रमा के सुदूर भाग में एक प्राचीन बेसिन से चंद्र के नमूने प्राप्त करने के लिए चांग'-6 मिशन शुरू करने की योजना बनाई है। लंबे समय तक मानव निवास को बनाए रखने के उद्देश्य से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्र संसाधनों का पता लगाने के लिए 2026 के आसपास चांग-7 मिशन लांच किया जाएगा। इसके बाद 2028 के आसपास चांग'-8 मिशन होगा, जब आईएलआरएस के एक बुनियादी मॉडल का निर्माण किया जाएगा।

प्रिंस हैरी और विलियम का रिश्ता सबसे खराब दौर में

-पिता की ताजपोशी के दिन रहेंगे दूर-दूर

लंदन । 900 से अधिक वर्षों से चल रही परंपरा में 6 मई को लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में चार्ल्स की औपचारिक ताजपोशी के साथ तीन दिनों के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। एक शाही टिप्पणीकार ने दावा किया कि प्रिंस हैरी और प्रिंस विलियम, किंग चार्ल्स राज्याभिषेक कार्यक्रम के दौरान आपस में एक शब्द का भी आदान-प्रदान नहीं करने वाले हैं। उन्होंने दावा किया है कि दोनों भाइयों के बीच का रिश्ता अपने खराब दौर से गुजर रहा है। प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट के खिलाफ प्रिंस हैरी द्वारा अपने सभी संस्मरण स्पेयर में किए गए कई दावों के बाद भाइयों के बीच तनाव बढ़ गया। अपने पिता के राज्याभिषेक पर प्रिंस हैरी और विलियम रहस्योद्घाटन के बाद पहली बार आमने-सामने आएंगे। हालांकि प्रिंस हैरी अपनी पत्नी मेघन मार्कल के बिना राज्याभिषेक में शामिल होने वाले है। स्तंभकार एंजेला मोलार्ड ने बताया कि विलियम और हैरी के बीच का रिश्ता अपने बदतर दौर से गुजर रहा है। राज्याभिषेक के दौरान वे वेस्टमिंस्टर एब्बे में किस पोजीशन में रहने वाले हैं, इस बारे में बहुत सोचा गया है। मोलार्ड का कहना है कि मुझे नहीं लगता कि हम उन्हें एक-दूसरे के बगल में बैठे हुए देख पाएंगें। वास्तव में, मुझे नहीं लगता कि वे उस दिन एक शब्द का आदान-प्रदान करने वाले हैं। स्तंभकार ने यह भी कहा कि प्रिंस हैरी ने अपने संस्मरण में अपने जीवन के सभी सबसे व्यक्तिगत क्षेत्रों में अपने भाई की आलोचना की है।

सिंगापुर ने नहीं मानी यूएन की अपील, भारतीय मूल के एक शख्स को फांसी दी

सिंगापुर । सिंगापुर में बुधवार को भारतीय मूल के एक शख्स को गांजे की तस्करी के जुर्म में फांसी दे दी गई है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने फांसी पर पुनर्विचार की अपील की थी, लेकिन सिंगापुर ने अपील को खारिज करते हुए भारतीय मूल के 46 वर्षीय तंगाराजू सुप्पैया को मौत की सजा दे दी। तंगाराजू पर 1 किलो से अधिक गांजे की तस्करी का आरोप लगाया गया था। तंगाराजू को चांगी जेल परिसर में मृत्युदंड दिया गया। सिंगापुर के गृह मामलों के मंत्रालय ने जवाब दिया कि तंगाराजू का अपराध जितना बताया गया उससे अधिक साबित हुआ है। उसके पास दो फोन नंबर थे, जिसका इस्तेमाल वह ड्रग डिलीवरी के दौरान करता था। साल 2018 में तंगाराजू को गांजे की तस्करी के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी। परिवार ने मुकदमे पर जोर देकर क्षमादान की गुहार लगाई थी। तंगाराजू की फांसी पर संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि मृत्युदंड विश्व स्तर पर एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हुआ है। यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन है, क्योंकि मृत्युदंड की अनुमति तभी होती है जब अपराधी बेहद गंभीर आरोपों से बंधा हो। जेनेवा स्थित ग्लोबल कमीशन ऑन ड्रग पॉलिसी के सदस्य रिचर्ड ब्रैनसन ने लिखा कि गिरफ्तारी के समय तंगाराजू के पास ड्रग्स नहीं थी। मुझे लगता है कि सिंगापुर एक निर्दोष व्यक्ति को मौत के घाट उतारने वाला है।

नेपाल ने फ्लाईदुबई के 2 मैनेजरों के त्रिभुवन हवाई अड्डे में प्रवेश पर लगाया बैन

-खाड़ी देश की एयरलाइन पर विमान से पक्षी के टकराने की अफवाह फैलाने का आरोप

काठमांडू। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण ने मंगलवार को फ्लाईदुबई एयरलाइन के दो प्रबंधकों के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) में प्रवेश करने पर रोक लगा दी। दोनों पर खाड़ी देश की एयरलाइन के एक विमान से पक्षी के टकराने की अफवाह फैलाने का आरोप है। काठमांडू हवाई अड्डे से सोमवार को 168 लोगों को लेकर उड़ान भरने वाला फ्लाईदुबई का विमान मंगलवार सुबह दुबई में सुरक्षित उतरा। उड़ान भरने के बाद विमान के एक इंजन में खराबी आ गई थी। फ्लाईदुबई की काठमांडू-दुबई उड़ान में सोमवार रात 9 बजकर 20 मिनट पर उड़ान भरते वक्त दिक्कत आ गई। विमान ने काठमांडू के आकाश में एक चक्कर लगाया और काठमांडू के पश्चिम में स्थित धाडिंग जिले के आकाश में पहुंचा। पायलट ने बाद में काठमांडू हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रकों को सूचित किया कि समस्या का समाधान हो गया है और विमान अपने गंतव्य दुबई की ओर बढ़ गया। विमान के एक इंजन में खराबी आ गई और विमान के एक हिस्से में आग लग गई। सभी संकेतकों की जांच के बाद पायलट को इंजन में कोई और समस्या नहीं मिली और वह गंतव्य की ओर उड़ गया। दुबई में वह सुरक्षित रूप से उतरा। इंजन में खराबी के बावजूद विमान ने अपने गंतव्य की ओर उड़ान भरी, लेकिन फ्लाईदुबई के आधिकारिक पृष्ठ पर दावा किया गया कि विमान एक पक्षी से टकराया था।नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएन) ने दावे को खारिज कर दिया और कहा कि घटना के दौरान विमान से कोई पक्षी नहीं टकराया। सीएएएन ने फ्लाईदुबई के दो प्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई की है। सीएएएन ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि जैसा कि फ्लाईदुबई के दो प्रबंधकों ने अफवाह फैलाई कि काठमांडू-दुबई उड़ान से एक पक्षी टकरा गया था, फ्लाईदुबई के देश में प्रबंधक और हवाई अड्डे के प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। फ्लाईदुबई के दोनों प्रबंधकों को हवाई अड्डे में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है और उनके हवाई अड्डे के पास भी निष्क्रिय कर दिए गए हैं।

जापानी कंपनी का अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर उतरते वक्त दुर्घटनाग्रस्त

हादसे के कारण यान से टूट गया उड़ान नियंत्रक का संपर्क

टोक्यो । जापान की एक कंपनी का अंतरिक्ष यान बुधवार को चंद्रमा पर उतरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के कारण यान से संपर्क टूट गया और उड़ान नियंत्रक यह पता लगाने की कोशिशों में जुटे हैं कि आखिर वहां हुआ क्या। संपर्क टूटने के छह घंटे से अधिक समय बाद टोक्यो की कंपनी आईस्पेस ने उस बात की पुष्टि की, जिसका सभी को संदेह था। कंपनी ने कहा कि ऐसी संभावना है कि यान चंद्रमा की सतह पर उतरने की कोशिश करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह 'आईस्पेस' के लिए बेहद निराशाजनक है, क्योंकि वह करीब साढ़े चार महीने से इस मिशन पर काम कर रहा था, जिसका मकसद चंद्रमा की सतह पर एक अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक उतारना था। ऐसा अभी तक केवल तीन देश ही कर पाए हैं। 'आईस्पेस' के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ताकेशी हकमादा को यान से संपर्क टूट जाने के बाद भी उसके चंद्रमा पर सुरक्षित रूप से उतर जाने की उम्मीद थी। हकमादा जब अंतरिक्ष यान के चंद्रमा पर उतरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने की घोषणा कर रहे थे, तब वह और उनके सहकर्मी काफी गमगीन नजर आए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह माना जा रहा है कि यान चंद्रमा की सतह पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अगर यह मिशन सफल होता तो आइस्पेस चंद्रमा की सतह पर अंतरिक्ष यान उतारने वाली पहली निजी कंपनी बन जाती।

लिस्बन पहुंच ब्राजीली राष्ट्रपति लुइज इनेशियो के समर्थन में नारे लगाते हुए समर्थक।

बाइडेन के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर ट्रंप ने उन्हें अमेरिका इतिहास का सबसे भष्ट्र राष्ट्रपति बताया

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा 2024 में शीर्ष पद के लिए अपनी दावेदारी की आधिकारिक घोषणा के बाद उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडन को अमेरिकी इतिहास में सबसे भ्रष्ट राष्ट्रपति करार दिया। ट्रंप ने कहा कि आप अमेरिकी इतिहास में पांच सबसे खराब राष्ट्रपतियों को ले सकते हैं और उन्हें एक साथ रख सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि कुछ ही वर्षों में बाइडेन ने हमारे देश को जितना नुकसान पहुंचाया होगा उतना पांच राष्ट्रपतियों ने मिलकर भी नहीं पहुंचाया होगा। मुद्रास्फीति पर, ट्रम्प ने अमेरिकी राष्ट्रपति की समाजवादी खर्च आपदा पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि अवैध अप्रवासियों और हिंसक अपराधियों के लिए अमेरिका एक डंपिंग ग्राउंड बन गया है। बिना किसी प्रतिशोध के बड़े पैमाने पर जेल से रिहा किया जा रहा है, जबकि कानून का पालन करने वाले रूढ़िवादियों या रिपब्लिकन के खिलाफ कानून लागू किया जाता है। संस्कृति युद्धों के बारे में बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि हमारे बच्चों को वामपंथी सनकी और कट्टरपंथियों द्वारा विकृत और विकृत किया जा रहा है। राष्ट्रपति बाइडन ने अपने पूर्ववर्ती ट्रंप को हराने के तीन साल से भी कम समय में फिर 2024 में शीर्ष पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की। उन्होंने लोकतंत्र को बचाने और काम पूरा खत्म करने के लिए अमेरिकियों से फिर से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ उन्हें चुनने का आह्वान करते हुए अपनी दावेदारी की शुरुआत की। डेमोक्रेटिक पार्टी के बाइडन (80) ने तीन मिनट के एक प्रचार वीडियो में यह घोषणा की।

तालिबान की कार्रवाई में आईएस का एक आतंकवादी मारा गया

-काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमले का था मुख्य साजिशकर्ता

-अमेरिकी खुफिया तंत्र ने पूरे विश्वास के साथ की पुष्टि

वाशिंगटन (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान की एक कार्रवाई में इस्लामिक स्टेट (आईएस) का एक आतंकवादी मारा गया, जो अगस्त 2021 में काबुल हवाई अड्डे पर हुए आत्मघाती बम विस्फोट का मुख्य साजिशकर्ता था। यह हमला अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के दौरान किया गया था, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और करीब 170 अफगान नागरिक मारे गए थे। अमेरिका या तालिबान में से किसी को भी शुरुआत में काबुल हवाई अड्डे पर हमले के मुख्य साजिशकर्ता के मारे जाने की खबर नहीं थी। कुछ अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि तालिबान और आईएस के सहयोगी गुट के बीच दक्षिणी अफगानिस्तान में इस महीने की शुरुआत में हुई लड़ाई के दौरान काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमले का मुख्य साजिशकर्ता मारा गया।

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में अमेरिकी खुफिया तंत्र ने पूरे विश्वास के साथ पुष्टि की है कि इस्लामिक स्टेट का यह आतंकवादी मारा जा चुका है। अमेरिकी सेना ने काबुल हवाई अड्डे के अब्बे गेट पर हुए आत्मघाती विस्फोट में मारे गए 11 नौसैनिकों, एक नाविक और एक सैनिक के माता-पिता को मुख्य साजिशकर्ता के मारे जाने के बारे में सप्ताहांत में सूचित करना शुरू किया, जिन्होंने एक मैसेजिंग ऐप पर हुई निजी ग्रुप चैट में भी यह जानकारी साझा की। विस्फोट में जान गंवाने वाले एक नौसैनिक के पिता ने कहा कि बेटे के हत्यारे के मारे जाने की खबर सुनकर सुकून मिला।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों को बताएं कि हमले का मुख्य साजिशकर्ता और हवाई अड्डे पर हमले के लिए जिम्मेदार व्यक्ति मारा गया है। कई अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका की हमले के मुख्य साजिशकर्ता के खिलाफ की गई कार्रवाई में कोई भूमिका नहीं थी और उसने तालिबान के साथ इसे लेकर कोई समन्वय नहीं किया था।

2017 में आईएस के हमले को लेकर ईरान की अदालत ने दिया बड़ा फैसला, अमेरिका से बढ़ेगा और टेंशन

ईरान की एक अदालत ने तेहरान पर 2017 में इस्लामिक स्टेट द्वारा किए गए हमले पर संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ .312.9 मिलियन का फैसला जारी किया। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि उनकी दशकों पुरानी दुश्मनी के बीच ये बड़ी न्यायिक कार्रवाई सामने आई है। ईरान की राज्य संचालित आईआरएनए समाचार एजेंसी ने निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि अदालत के इस आरोप का समर्थन करने के लिए कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं दिया कि जून 2017 के हमले में अमेरिकी अधिकारियों इसका कोई हिस्सा था। 2017 के हमले कम से कम 18 लोग मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए। इस हमले में बंदूकधारियों ने अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी के मकबरे और देश की संसद पर हमला किया गया था।

क्वाड देशों के नेता 24 मई को सिडनी में होंगे आमने-सामने

-व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां पियरे ने बैठक की दी जानकारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। क्वाड देशों के नेता अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में तीसरी बार आमने-सामने की मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने बताया कि इस मुलाकात का मकसद महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकियों, उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, वैश्विक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन तथा सामरिक रूप से अहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर आपसी सहयोग को गहरा करना है। क्वाड एक चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह है, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह पहली बार होगा, जब ऑस्ट्रेलिया क्वाड देशों के नेताओं की मेजबानी करेगा।

ज्यां-पियरे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज की मेजबानी में सिडनी में 24 मई को आयोजित होने वाली क्वाड नेताओं की बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन हिस्सा लेंगे। इस शिखर सम्मेलन में जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। अल्बानीज ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ घंटों बाद जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित क्वाड सम्मेलन में शिरकत की थी। ज्यां-पियरे ने कहा कि क्वाड नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि वे महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, वैश्विक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, समुद्री क्षेत्र में जागरुकता और सामरिक रूप से अहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र से अन्य संबंधित मुद्दों पर आपसी सहयोग को कैसे गहरा कर सकते हैं।

राष्ट्रपति बाइडेन 19 मई से 21 मई तक जापान के हिरोशिमा में आयोजित होने वाले जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे। भारत, अमेरिका और कई अन्य विश्व शक्तियां क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य दखलअंदाजी के मद्देनजर एक स्वतंत्र, मुक्त और संपन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में लंबे अरसे से बात कर रही हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के वास्ते 2017 में एक नयी रणनीति विकसित करने के लिए क्वाड की स्थापना के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को आकार दिया था। चीन विवादित दक्षिण चीन सागर के लगभग पूरे क्षेत्र पर दावा करता है। इस क्षेत्र में उसका ताइवान, फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम सहित कई अन्य देशों के साथ विवाद है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में कई कृत्रिम द्वीपों और सैन्य अड्डों का निर्माण भी किया है।

डब्ल्यूएचओ ने भारत में निर्मित एक और कफ सिरप को बताया दूषित, इस्तेमाल को लेकर दी चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी) विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मार्शल आइलैंड्स और माइक्रोनेशिया में बेचे जाने वाले भारत-निर्मित कफ सिरप के लिए एक और अलर्ट जारी किया है। भारत में उत्पादित दूषित खांसी की दवाई के लिए सात महीने के भीतर यह तीसरा ऐसा अलर्ट है, पिछले मामलों की पहचान गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि एक भारतीय कंपनी का कफ सिरप मार्शल आइलैंड्स और माइक्रोनेशिया में दूषित पाया गया है।

इसके सेवन से इंसानों की जान को खतरा हो सकता है। इन रसायनों की पहचान ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने की थी। बीते छह अप्रैल को इसकी सूचना डब्ल्यूएचओ को दी गई। अलर्ट में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के थेराप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन की गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाओं द्वारा सीने में बलगम और खांसी को दूर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सिरप गुइफेनेसिन में डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल की अस्वीकार्य मात्रा पाई गई।

अर्धसैनिक बल के जवानों ने हमारे सीने पर बंदूकें रख दिया, सूडान से लौट रहे भारतीयों ने सुनाई अपनी आपबीती

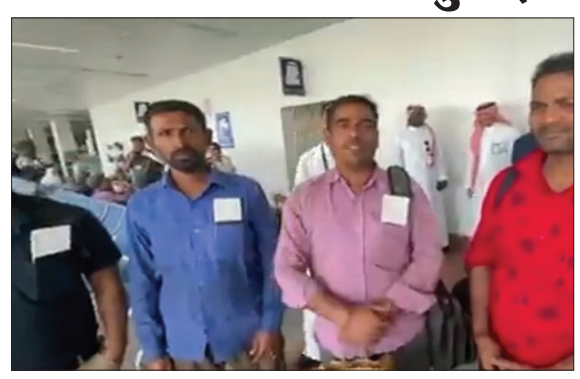

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूडान के सैन्य और अर्धसैनिक प्रमुखों द्वारा 72 घंटे के राष्ट्रव्यापी युद्धविराम पर सहमत होने के एक दिन बाद देशों को निकासी प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दी गई, भारत ने अपने 530 से अधिक नागरिकों को सैन्य विमानों और एक युद्धपोत का उपयोग करके निकाला। चल रहे संकट के बीच पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश से और निकाले जाने की तैयारी है।

भारत लौटने वाले नागरिकों ने सूडान की स्थितियों और देश के भीतर उनके द्वारा की गई कठिन परीक्षाओं के बारे में बताया। एएनआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में नागरिकों में से एक को सूडान में दंगों की स्थिति के बारे में बात करते हुए आपबीती शेयर की है। उनका कहना है कि भारत सरकार ने उन्हें जहाज से ले जाने की व्यवस्था की। उनका यह भी कहना है कि नागरिकों को भारतीय बलों द्वारा खिलाया गया था।

ऑपरेशन कावेरी के तहत, नागरिकों को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा पोर्ट सूडान से जेद्दाह, सऊदी अरब और कई अन्य लोगों को जहाज द्वारा सूडान बंदरगाह से जेद्दा ले जाया गया। नागरिक ने आगे कहा कि सूडान में लड़ाई चरम स्तर पर थी। उन्होंने कहा कि यह ठीक उनके घरों के बाहर हो रहा था और उन्हें खाने तक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। एक अन्य नागरिक ने कहा कि उन्होंने पिछले दो-तीन दिनों से खाना नहीं खाया था। एक अन्य नागरिक ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि सुबह 9 बजे अर्धसैनिक बल हमारी कंपनी में घुसे और फायरिंग शुरू कर दी और हमें लूट लिया। उन्होंने हमें आठ घंटे तक बंधक बनाकर रखा। उन्होंने अपनी बंदूकें हमारे सिर और सीने पर रखीं और हमें लूटा। उन्होंने कंपनी में सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने फाइलों को नष्ट कर दिया और हमारे लैपटॉप और मोबाइल फोन चुरा लिए।

'पाकिस्तान को सता रहा एक और सर्जिकल स्ट्राइक का डर', पुंछ आतंकी हमले के बाद बोले पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पुंछ आतंकी हमले को लेकर भारत में एक बार फिर से पाकिस्तान को लेकर गुस्सा है। इस हमले में हमारे 5 जवान शहीद हो गए थे। इसी हमले की जांच लगातार जारी है। इन सब के बीच पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित का बड़ा बयान आया है। पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित इस बात का डर है कि भारत पाकिस्तान पर एक और सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। पुंछ आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में जवाबी हमले का डर मंडराने लगा है और यह चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में एक वीडियो में बासित ने कहा कि अब पाकिस्तान में लोग भारत द्वारा एक और सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक के बारे में बात कर रहे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अब वे ऐसा करेंगे क्योंकि वे इस साल एससीओ की बैठक और जी20 की अध्यक्षता कर रहे हैं। जब तक वे जी-20 के अध्यक्ष पद पर हैं, तब तक मुझे भारत से कोई दुस्साहस नहीं दिखता। लेकिन अगले साल चुनावों के दौरान, भारत फिर से ऐसा कर सकता है। यह भारत में चुनाव से ठीक पहले हो सकता है। उन्होंने पुंछ आतंकी हमले पर कहा कि जिसने भी यह किया है, चाहे वह मुजाहिदीन हो या कोई भी, उन्होंने नागरिकों को नहीं, बल्कि सेना को निशाना बनाया है। वे एक वैध संघर्ष में लगे हुए हैं। यदि आप एक आंदोलन कर रहे हैं, तो आप सेना को निशाना बना रहे हैं, लेकिन नागरिकों को नहीं, अंतरराष्ट्रीय कानून अनुमति देता है।

जाहिर सी बात है कि अब्दुल बासित पुंछ आतंकी हमले को सही ठहराने की कोशिश की है। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक ट्रक पर घात लगाकर किए गए हमले में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे एक बड़े अभियान के तहत अभी तक करीब 50 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह अभियान मंगलवार को पांचवे दिन भी जारी है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राइफल्स इकाई द्वारा आयोजित इफ्तार के लिए अग्रिम इलाके के एक गांव में फलों और अन्य वस्तुओं को ले जा रहे ट्रक पर बृहस्पतिवार की शाम घात लगाकर हमला किया गया था, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए और एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन की बात का भारत के लोगों पर पड़ता है गहरा प्रभाव आमिर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के श्100 नेशनल कॉन्क्लेव के दौरान अभिनेता आमिर खान ने कहा मन की बात का भारत के लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। इसी तरह भारतीय पैरा एथलीट दीपा मलिक ने मन की बात के श्100 नेशनल कॉन्क्लेव में कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी खुद किसी बात को रखते हैं तो उसका समाज पर बहुत असर पड़ता है। वे हर चीज़ को जन भागीदारी बना देते हैं। यहां @100 नेशनल कॉन्क्लेव एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। गौरतलब है कि 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री के रेडियो शो के 100वें एपिसोड का प्रसारण किया जाएगा।

गर्मी इतनी कि टेढ़ी हो गई ट्रेन की पटरियां, बड़ा हादसा टला

गया। इन दिनों गर्मी इतनी पड़ रही है कि ट्रेन की पटरियां तक टेढ़ी हो रही हैं। मामला बिहार का है जहां पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत धनबाद रेल मंडल के गया-कोडरमा रेल सेक्शन के गुरपा-गझण्डी घाटी रेलखंड में स्थित नाथगंज रेलवे हॉल्ट के पास गर्मी के चलते रेल पटरी बकलिंग हो गया। इस कारण अप रेल लाइन पर तीन घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। हालांकि रेलकर्मियों के तत्परता से एक बड़ी रेल हादसा होने से टल गया। रेल सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को सुबह 10:20 बजे गुरपा-गझण्डी घाटी रेलखंड में स्थित नाथगंज रेलवे हॉल्ट के पास अप लाइन में रेल किलोमीटर संख्या 413/43-45 के बीच अधिक गर्मी के कारण 50 मीटर तक रेल पटरी पिघलकर टेढ़ा हो गया। इसी समय वहां से हटिया-पटना सुपर एक्सप्रेस गुजरने वाली थी, जिसे दिलवा स्टेशन पर ही रोक दिया गया। इस तरह से रेलकर्मियों की सूझबूझ और तत्परता से एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया। घटना के कारण अप लाइन पर 10:20 बजे से 1:20 बजे तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। रेल पटरी दुरुस्त होने के बाद 1:20 बजे से ट्रेनों का परिचालन सुचारू हुआ। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पीडब्ल्यू आई/जेई गझण्डी संजय कुमार रेलकर्मियों के साथ तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और युद्ध स्तर और कार्य में जुट गए। रेलकर्मियों ने भीषण गर्मी और कड़ाके की धूप के बीच रेल पटरी को दुरुस्त करने में लग गए। उनकी तीन घंटे के अथक प्रयास के बाद टेढ़ा हुए रेल पटरी को दुरुस्त किया जा सका। इसके बाद ट्रेनों का परिचालन शुरू कराया गया। इस दौरान हटिया-पटना सुपर एक्सप्रेस दिलवा स्टेशन पर, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस कोडरमा स्टेशन पर, आसनसोल वाराणसी मेमू ट्रेन गझण्डी स्टेशन पर खड़ी रही। इधर, घटना की सूचना पाकर आरपीएफ इंस्पेक्टर जवाहरलाल के नेतृत्व में आरपीएफ जवान भी घटना स्थल पर पहुंच गए।

सुरक्षा व प्रशासनिक गतिविधियों में श्रम-बहुल कार्यों की बढ़ी मांग

मुंबई। देश में शारीरिक श्रम की प्रधानता वाले रोजगार की कुल संख्या मार्च में सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 57,11,154 हो गई। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च के महीने में सुरक्षा सेवाओं में कार्यरत कामगारों की जरूरत बढ़ने से कुल श्रम-बहुल रोजगार में बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक साल पहले मार्च, 2022 में श्रम-बहुल रोजगार की संख्या 53,38,456 रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल की तुलना में देश में सुरक्षा सेवाओं से जुड़े रोजगारों की संख्या तिगुनी हो गई है। मार्च के महीने में इस श्रेणी के रोजगार सालाना आधार पर 219 प्रतिशत बढ़ गए। ?रिपोर्ट के अनुसार कंपनियां अब मिलनसार, दोस्ताना और कार्यस्थल पर विवाद निपटाने की क्षमता रखने वाले सुरक्षा गार्ड को रखना पसंद कर रही हैं। इनकी बढ़ती संख्या सुरक्षित कामकाजी माहौल को अहमियत देने का सबूत है। मार्च, 2022 से मार्च, 2023 तक के आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक, साल भर पहले की तुलना में प्रशासनिक एवं मानव संसाधन कार्यों से जुड़े रोजगार में भी 61.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमित निगम ने कहा ?कि बदलते आर्थिक परिवेश के बावजूद श्रम-बहुल कार्यों की मांग सुरक्षा और प्रशासनिक गतिविधियों में बढ़ी है। यह कार्यस्थल पर विभिन्न पक्षों को संभाल सकने वाले पेशेवरों की बढ़ती जरूरत को दर्शाता है।

गुजरातियों को ठग कहने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ अहमदाबाद मेट्रो कोर्ट में परिवाद दायर, 1 मई को होगी सुनवाई

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ अहमदाबाद की मेट्रो कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई है। इस याचिका में कहा गया है कि तेजस्वी यादव ने गुजरातियों को ठग, धूर्त जैसे अभद्र शब्द कहकर उनका अपमान किया है। समाचार एजेंसी एएनआई की खबर के अनुसार गुजरातियों को कथित तौर पर 'ठग, धूर्त' कहने के मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ अहमदाबाद की मेट्रो कोर्ट में याचिका दायर कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस अर्जी पर आगे की सुनवाई एक मई को होगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ मेट्रो कोर्ट में परिवाद शिकायत में उल्लेख किया गया है कि सार्वजनिक मीडिया के माध्यम से इस तरह के बयान के बाद गुजरातियों के प्रति लोगों की धारणा बदली है। तेजस्वी यादव ने जानबूझकर गुजरातियों को बदनाम करने की कोशिश की है।

2 मार्च 2023 को दिया बयान

याचिकाकर्ता ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। याचिकाकर्ता ने अर्जी में कहा कि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जैसे जिम्मेदार व्यक्ति के लिए इस तरह का बयान देना उचित है, इसलिए बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस अर्जी पर आगे की सुनवाई एक मई को होगी।

दलाई लामा को 64 साल बाद व्यक्तिगत रूप से रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला

धर्मशाला। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को बुधवार को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से नवाजा गया है। धर्मशाला में उनके निवास पर 64 साल बाद रेमन मैग्सेसे अवार्ड फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत रूप से 1959 का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया है। दलाई लामा के कार्यालय ने कहा, अगस्त 1959 में फिलीपींस में फाउंडेशन द्वारा पवित्र धर्म की रक्षा में तिब्बती समुदाय के वीरतापूर्ण संघर्ष के लिए परम पावन को सामुदायिक नेतृत्व के लिए दिया गया यह पहला अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार था जो उनके जीवन और संस्कृति की प्रेरणा है। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, अपनी सादगी और विशिष्ट हंसमुख शैली के लिए जाने जाते हैं। वह धार्मिक नेताओं के साथ बैठकों में भाग लेना पसंद करते हैं। 2007 में चीन के विरोध के बावजूद भी दलाई लामा को अमेरिकी कांग्रेस का स्वर्ण पदक मिला। 6 जुलाई 1935 को पूर्वोत्तर तिब्बत के तख्तसेर गांव में जन्मे दलाई लामा को दो साल की उम्र में 13वें दलाई लामा थुबतेन ग्यात्सो के अवतार के रूप में मान्यता मिली थी। 1959 में चीनी शासन के खिलाफ एक असफल विद्रोह के बाद वह तिब्बत से भाग गए थे। यहां उनकी निर्वासित सरकार थी जिसे कभी भी किसी देश से मान्यता नहीं मिली। लगभग 80,000 तिब्बती भारत, नेपाल और भूटान के 54 विभिन्न स्थानों में बसे हुए हैं।

पुंछ हमले की योजना पाकिस्तान में रची गई

श्रीनगर। पुंछ-राजौरी क्षेत्र के गुर्जर ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के निर्देश पर सेना के एक ट्रक पर घात लगाने के लिए रसद की योजना बनाई थी और उसका इंतजाम किया था। सूत्रों के मुताबिक, स्थानीय गुर्जर ने तीन माह तक आतंकियों को अपने घर पर रखा था। इस दौरान, हमलावरों को वॉयस नोट्स पर एक स्थानीय हैंडलर द्वारा निर्देश मिला। सूत्र ने कहा, इस बात की पुष्टि हो गई है कि हमले की योजना पाकिस्तान से बनाई गई थी। माना जाता है कि हमलावरों की संख्या तीन थी। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की शाखा प्रतिबंधित पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने पुंछ जिले के भाटा दुरियां में एक सुनसान सड़क पर सैन्य ट्रक पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवादी संगठन ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें जारी की थीं, जिसमें दावा किया गया था कि वे घात लगाए बैठे हैं। हमलावरों ने कहा कि 'ऑपरेशन' के वीडियो के कुछ हिस्से 'जल्द' जारी किए जाएंगे।

जिन्हें पलकों पर बिठाया, सर्वोच्च पद दिया, उन्होंने ही पीठ पर छुरा घोंपा

-जनसभा में स्मृति ईरानी ने भाजपा छोड़ कांग्रेस में गए जगदीश शेट्टार पर साधा निशाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अमेठी से सासंद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने जगदीश शेट्टार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि जिन्हें हमने पलकों पर बिठाया, सीएम का सर्वोच्च पद दिया और जनता के बीच सम्मानित किया, उन्होंने ही हमारी पीठ पर छुरा घोंपा है। स्मृति ने कहा कि जो अपने धर्म, अपने परिवार और अपनी विचाधारा के न हो सके वह जनता के क्या होंगे। उन्होंने जगदीश शेट्टार पर पीठ पर छुरा घोंपने का आरोप भी लगाया। उन्होंने पूछा कि शेट्टार कांग्रेस में किसे रिप्लेस करेंगे सिद्धारमैया को या शिवकुमार को बता दें कि स्मृति ईरानी धारवाड़ में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। स्मृति ईरानी ने कहा, जिन पर मैं कटाक्ष कर रही हूं, उन्हें सब जानते हैं। कुछ दिन पहले ही कोई अपना ही हमें छोड़कर, हमारी पीठ में छुरा घोंपकर और गैरों के कैंप (कांग्रेस) में चला गया। पब्लिक है सब जानती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं जिनकी बात कर रही हूं, पब्लिक सब जानती है। मैं जनता को बताना चाहती हूं। हुबली-धारवाड़ के लोगों को बताना चाहती हूं, जो अपने धर्म के, अपने परिवार के और अपनी विचारधारा के नहीं हो सके वे जनता के क्या खाक हो जाएंगे।

जनसभा में स्मृति ईरानी ने आगे कहा कि वह (जगदीश शेट्टार) हमसे बड़े हैं। उम्र और तजुर्बे में बड़े हैं। हमने उन्हें मुख्यमंत्री का सम्मान दिया। अब मैं पूछना चाहती हूं कि वह किसकी जगह नंबर दो की भूमिका निभा रहे हैं, क्या यह शिवकुमार हैं या सिद्धारमैया हैं? दुख होता है, पीड़ा होती है अफसोस होता है। उन्हें पलकों पर बैठाया, सम्मान दिया सर्वोच्च पद देकर समाज में सम्मान दिया। वह आज लालच में अपनों को छोड़कर परायों को अपना लिया। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जगदीश शेट्टार, जिन्होंने हाल ही में भाजपा छोड़ दी चुनाव हार जाएंगे और जोर देकर कहा कि हुबली ने हमेशा भाजपा को वोट दिया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसलिए छोड़ी है क्योंकि उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा, इससे पहले जो भी इस निर्वाचन क्षेत्र (बीजेपी से) से चुनाव लड़ा था, हर कोई हार गया। मैंने यहां इस जगह पार्टी बनाई।

मनीष सिसोदिया नहीं मिल रही राहत, 28 अप्रैल तक टला जमानत पर फैसला

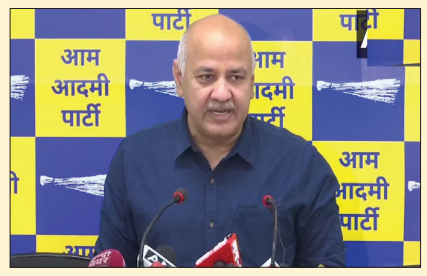

नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक्साइज घोटाले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय के मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर 28 अप्रैल के लिए आदेश सुनाना टाल दिया। सिसोदिया की जमानत याचिका पर 18 अप्रैल को सुनवाई पूरी हो गई थी। तब भी कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने सिसोदिया की याचिका पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। याचिका में दावा किया गया था कि अब जांच के लिए उनकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है। ईडी ने यह कहा था कि उसे कथित अपराध में सिसोदिया की संलिप्तता के नए सबूत मिले हैं। अदालत ने 31 मार्च को सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इससे पहले मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आबकारी नीति घोटाला मामले में सिसोदिया के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था।

दो मोर्चों पर जंग के हालात से बचने के लिए प्रयास किए जाएंगें : मनोज पांडे

-अग्निपथ योजना सेनाओं के लिए परिवर्तनकारी सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे का कहना है कि दो मोर्चों पर जंग के हालात से बचने के लिए सभी क्षेत्रों में प्रयास किए जाएंगे, लेकिन ऐसी स्थिति के लिए सेना को हमेशा तैयार रहने की जरूरत है। एक कार्यक्रम के दौरान दो मोर्चों पर जंग की स्थिति' के बारे में पूछने पर जनरल पांडे ने कहा कि 'दो मोर्चों की जंग स्थिति से बचने के लिए सभी क्षेत्रों में प्रयास किये जाएंगे। लेकिन मेरा मानना है कि हमें अब भी तैयार रहने की जरूरत है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर आप अपने संसाधनों को कैसे प्रयोग में लाएंगे और उनका उपयोग कैसे करते हैं।

जनरल पांडे ने कहा कि 'वर्तमान में हम इसी संदर्भ में देख रहे हैं और हमारे पास योजनाएं हैं, जो इस बात पर निर्भर करती हैं कि पहला मोर्चा और दूसरा मोर्चा क्या है, मेजर जनरल पांडे ने कहा कि 'यह विभिन्न कारकों से जुड़ा काम है और अपनी तैयारियों के स्तर के संदर्भ में कहें, तब हम दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने की दिशा में तैयारी करते करने वाले हैं। कई डिफेंस एक्सपर्ट भारत की उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के संदर्भ में दो-मोर्चे शब्द का उपयोग करते हैं। जनरल पांडे ने कहा कि जहां राष्ट्रीय हित शामिल हैं, देश युद्ध में जाने से नहीं हिचकिचाएंगे। दूसरे, भूमि हमेशा युद्ध का एक निर्णायक क्षेत्र बनी रहेगी, विशेष रूप से जहां विवादित सीमाएं हैं। ठीक वैसे ही जैसे हमारे मामले में धारणा है कि जीत हमेशा भूमि केंद्रित रहेगी। सैन्य बलों में भर्ती की अग्निपथ योजना पर उन्होंने कहा कि यह एक 'परिवर्तनकारी सुधार' है, जो सुरक्षा बलों के मानव संसाधनों के प्रबंधन के तरीके में एक 'क्रांतिकारी बदलाव या परिवर्तन' लाएगा और इस योजना के लाभ कई गुना अधिक हैं। उन्होंने कहा कि यह हमें भारतीय सेना से अधिक संख्या में युवाओं को जोड़ने में मदद करेगी, अधिक संख्या में तकनीकी रूप से निपुण युवा सेना में शामिल होने वाले हैं। जनरल पांडे ने कहा कि 'हमारे पास एक फिट सेना' होगी और लड़ाकू अग्रिम मोर्चे की इकाइयों में सैनिकों की उपलब्धता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि 'हम आश्वस्त हैं कि चार साल के अंत में जब हम वास्तव में नतीजे देखना शुरू करेंगे, तब यह न केवल सेना के लिए बल्कि समाज और देश के लिए भी अच्छी स्थिति होगी। सेना द्वारा आगे बढ़ते हुए उठाए गए अहम कदमों पर जनरल पांडे ने कहा कि वर्ष 2023 को सुरक्षा बल ने परिवर्तन का वर्ष घोषित किया है।

असंवैधानिक होने के कारण कर्नाटक में मुस्लिम कोटा खत्म किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि उसने मुस्लिम समुदाय के लिए केवल धर्म के आधार पर आरक्षण जारी नहीं रखने का फैसला सोच-समझकर लिया है, क्योंकि यह असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद व 14 व 16 के खिलाफ है। राज्य सरकार ने बताया कि 27 मार्च को मुसलमानों को प्रदान किए गए 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया गया था और समुदाय के सदस्यों को ईडब्ल्यूएस योजना के तहत आरक्षण के लाभ लेने की अनुमति दी गई थी। सरकार ने कहा कि यह ध्यान रखना चाहिए कि मुस्लिम समुदाय के पिछड़े समूहों को 2002 के आरक्षण आदेश के समूह एक के तहत आरक्षण के लाभ प्रदान किए जाते रहेंगे। केवल धर्म के आधार पर आरक्षण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। इसलिए किसी भी समुदाय को केवल धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। राज्य ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा के विपरीत होगा। केवल इसलिए कि अतीत में धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान किया गया है, इसे हमेशा के लिए जारी रखने का कोई आधार नहीं है।

राज्य सरकार ने कहा कि समाज में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग हैं, जो ऐतिहासिक रूप से वंचित और भेदभाव के शिकार हैं और इसे एक पूरे धर्म के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है, और जोर देकर कहा कि मंडल आयोग ने स्पष्ट रूप से पाया कि धर्म आरक्षण का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। हलफनामे में कहा गया है- केंद्रीय सूची में धर्म के आधार पर मुस्लिम समुदाय को कोई आरक्षण नहीं दिया गया है। मुस्लिम धर्म के विभिन्न समुदाय हैं जो एसईबीसी में शामिल हैं, उन्हें कर्नाटक में भी आरक्षण जारी है। राज्य सरकार ने कहा कि 103वें संशोधन के आधार पर आर्थिक मानदंड (ईडब्ल्यूएस) के आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मुस्लिम समुदाय भी उठा सकता है।

ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत ने सूडान से निकिाले 500 नागरिक, विदेश राज्यमंत्री पहुंचे जेद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑरेशन कोवेरी चलाकर सूड़ान में फंसे 500 नागरिकों को सुरक्षित निकालकर जेद्दा पहुंचाया है। गौरतलब है कि सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच चल रहे संघर्ष में साढ़े तीन हजार से ज्यादा भारतीय नागरिक भी फंसे हैं। इन सभी को निकालने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी शुरु किया है। जिसके तहत अब तक 500 से ज्यादा भारतीयों को सूडान पोर्ट से जेद्दा पहुंचाया जा चुका है। जानकारी के अनुसार तीन अलग-अलग जत्थों में इन सभी भारतीय नागरिकों को जेद्दा पोर्ट और एयरपोर्ट पहुंचाया गया है। इन सभी को वहां से निकालने का सिलसिला जारी है। आईएएफ सी-130जे विमान 148 नागरिकों के दूसरे जत्थे को लेकर जेद्दा एयरपोर्ट पहुंचा था। बुधवार को 135 नागरिकों का तीसरा जत्था संकटग्रस्त सूडान से रवाना हो गया है। इधर विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन भी जेद्दा पहुंच गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने निकाले गए 148 भारतीयों के दूसरे जत्थे की अगवानी की। आईएएफ सी-130जे बुधवार को जेद्दा एयरपोर्ट पहुंचा। इससे पहले नौसैनिक पोत आईएनएस सुमेधा 278 यात्रियों को लेकर जेद्दा बंदरगाह पहुंचा था।

हालांकि, विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि दूसरे बैच में 121 की जगह 148 भारतीयों को निकाला गया है। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने ट्वीट किया कि सूडान बंदरगाह से ऑपरेशन कावेरी के तहत पहला आईएएफ सी-130जे विमान 148 भारतीयों को लेकर जेद्दा पहुंचा।

यूपी में ऑपरेशन लंगड़ा का असर, गैंगस्टर खुद ही सरेंडर को हुए मजबूर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस द्वारा ऑपरेशन लंगड़ा चलाए जाने के कारण गैंगस्टर खुद ही सरेंडर कर रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश पुलिस राज्य से गैंगस्टरों का नामोनिशान मिटाने के उद्देश्य से ऑपरेशन लंगड़ा चला रही है। यूपी पुलिस के इस ऑपरेशन से स्थानीय गैंगस्टरों और गुंडों के मन में काफी भय देखने को मिल रहा है। पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई को देखकर बदमाशों के मन में भी अपनी जान का खौफ हो गया है। इसका ताजा उदाहरण संभल में देखने को मिला है। संभल में एनकाउंटर से बचने के लिए बदमाश ने खुद ही पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। संभल के एक आरोपी ने 25 अप्रैल को पुलिस के डर से आत्मसमर्पण कर दिया है।

इस आरोपी पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था। ये हाथ में खास तख्ती लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचा जिस पर खास मैसेज भी लिखा था जिससे साफ है कि गैंगस्टरों में उत्तर प्रदेश पुलिस और उत्तर प्रदेश सरकार का डर बना हुआ है। जानकारी के अनुसार ये मालमा हयातनगर थाना क्षेत्र का है जहां हैबतपुर गांव के जाबुल पुत्र रियासत हयात नगर थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित था। आरोपी के खिलाफ थाने में गोकशी से लेकर कई अन्य मामले दर्ज थे। आरोपी ने 25 अप्रैल को आत्मसमर्पण कर दिया है। आरोपी हाथों में एक तख्ती लेकर पहुंचा जिसपर लिखा था कि मुझे गोली मत मारना, मैं गैंगस्टर एक्ट का अपराधी हूं। मुझे गिरफ्तार कर लो। वहीं गैंगस्टर एक्ट में लंबे समय से आरोपी गिरफ्तार हो गया है। पुलिस ने आरोपी के आत्मसमर्पण करने के बाद उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर रिमांड हासिल कर ली है। हालांकि पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश भी दे रही थी। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार अपराधियों के खिलाफ लगातार एनकाउंटर की कार्रवाई कर रही है, जिससे अपराधियों में खौफ बन रहा है। एनकाउंटर से बचने के लिए आरोपी खुद ही पुलिस की शरण में पहुंच रहे हैं। बदमाश इस कार्रवाई से डरे हुए हैं।

2050 तक भारत में दोगुनी होगी बुजुर्गों की आबादी

- यूएनएफपीए का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएनएफपीए ने एक बड़ा खुलासा किया है कि साल 2050 में भारत में दुगनी संख्या में बुजुर्गों की आबादी होगी। गौरतलब है कि भारत फिलहाल तो दुनिया का सबसे जवान देश है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023' के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन (142.86 करोड़) तक पहुंच गई है, जबकि चीन की 1,425.7 मिलियन (142.57 करोड़) है, जिसका मतलब है हमारी जनसंख्या चीन से 2.9 मिलियन यानी 29 लाख ज्यादा है। यूएनएफपीए रिपोर्ट के आकंड़े कहते हैं कि भारत की 68 प्रतिशत आबादी की उम्र 15-64 वर्ष के बीच है, जबकि 65 वर्ष से ऊपर के सिर्फ 7 प्रतिशत लोग हैं। लेकिन 2050 तक यह परिदृश्य बदल जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2050 तक भारत में 65 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की संख्या वर्तमान से दोगुनी हो जाएगी। यानी करीब 14 फीसदी भारतीय आबादी की आयु 65 वर्ष से ज्यादा होगी। वहीं जापान, चीन, इटली समेत अन्य यूरोपीय देशों की तरह भारत को भी अपनी बूढ़ी होती आबादी के लिए अभी से जरूरी तैयारियां करने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान चीन में बुजुर्गों की आबादी दोगुनी हो जाएगी। दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत काफी जवान देश है और उसके पास अभी करीब 3 दशक तक यह मौका रहने वाला है। इस बीच चीन को अपनी बुजुर्ग आबादी के कारण खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यूएनएफपीए रिपोर्ट की मानें तो चीन के वर्क फोर्स में 4.1 करोड़ लोगों की कमी हो गई है, जो अभी और घटेगा। यह कई यूरोपीय देशों की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक 2040 तक चीन में 65 वर्षीय बुजुर्गों की आबादी 25 साल से कम के युवाओं से ज्यादा हो जाएगी, वहीं 2050 तक चीन की आबादी में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी 65 वर्ष से अधिक के उम्र वालों की होगी। यूएनएफपीए ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत और चीन दोनों को अपनी बुजुर्ग आबादी की सामाजिक सुरक्षा के लिए तैयारी करने की जरूरत है।

यूएनएफपीए के मुताबिक, बुजुर्ग आबादी का आकार (बड़े पैमाने पर दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में) 2030 तक लगभग दोगुना होकर 192 मिलियन तक पहुंच जाएगा और 2050 तक हर 5वां भारतीय बुजुर्ग होगा, इसलिए सभी का बराबर ध्यान रखने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता होगी। बुजुर्गों के स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी। भारत की जनसंख्या

जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) अलग-अलग राज्यों में भिन्न होती है। संयुक्त राष्ट्र के विश्लेषण से पता चला है कि केरल और पंजाब में बुजुर्ग आबादी है, जबकि बिहार और उत्तर प्रदेश में युवा आबादी है।

अगर दुनियाभर में बुजुर्गों की आबादी की बात करें तो यह बढ़कर 160 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई